INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-267 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शनिवार, 21 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

विरोध की पोस्टबाजी बहुत हुई, अब बिहारी जी के लिए मैदान में उतरो: धीरेंद्र

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी को लेकर उपजे विवाद के बीच शनिवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहली बार वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर विरोध करने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि वह श्री बांके बिहारी के दर्शन कर ट्रोलर्स की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना करेंगे। उन्होंने हिंदू एकता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदुओं को न बंटने देंगे और न मिटने देंगे। वहीं, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रचार करने के आरोपों को भी सिरे से खारिज किया।

धीरेंद्र शास्त्री समाजसेवी मानसिंह के 99वें जन्मदिवस और 100वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि बाबा बागेश्वर का विरोध और इंटरनेट मीडिया पर पोस्टबाजी बहुत



शनिवार को वृंदावन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बात करते बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री।

हो चुकी। अब विरोध करने वाले बांके बिहारी जी के लिए कब मैदान में उतरेंगे और मथुरा पर लगे कलंक को मिटाने के लिए कब आगे आएंगे। उन्होंने आने वाले दिनों में ब्रजवास करने की भी बात कही।

हिंदुओं को न बंटने देंगे, न मिटने देंगे, 2027 में भाजपा के प्रचार का आरोप नकारा

बोले- राजनीति नहीं, हनुमान जी, सनातन और हिंदुत्व का करता हूं प्रचार

श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था जताते हुए शास्त्री ने कहा कि वह तो बांके बिहारी के ही हैं। उनकी कृपा का गुणगान करते हैं और उनके लिए पदयात्रा भी करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कुछ दिनों के लिए कृष्ण भक्त बन गए थे, लेकिन अब दिखाई नहीं दे रहे हैं। वह ठाकुरजी से कामना करेंगे कि इंटरनेट मीडिया पर विरोध करने वालों को सद्बुद्धि मिले और वे वास्तविक कृष्ण भक्त बनकर हिंदुओं के हित में काम करें।

हिंदुत्व के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि वह हिंदुओं के लिए जीते हैं और आगे भी काम करते रहेंगे।

हिंदुत्व और हिंदुस्तान के लिए उनका प्रयास जारी रहेगा। हिंदू एकता स्थापित करके रहेंगे। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार के विपक्षी नेताओं के आरोपों पर उन्होंने कहा कि वह साधु हैं और राजनीति से उनका कोई सरोकार नहीं है।

किसी राजनीतिक दल का प्रचार करने के बजाय वह हनुमान जी, सनातन धर्म और हिंदुत्व के विचारों का प्रचार करते हैं। सभी राजनीतिक दलों में हिंदू हैं, इसलिए वह सभी के बीच सनातन का संदेश पहुंचाते हैं।

16वें वित्त आयोग की धनराशि से गांवों में बनेंगी सड़कें, होगा इंटरलॉकिंग का काम

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि से गांवों में सड़क निर्माण, इंटरलॉकिंग सहित अन्य जरूरी कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए ग्राम पंचायतों से प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव मांगे जा रहे हैं। प्रस्तावों का डीएम से अनुमोदन मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराए जाएंगे।

जिला पंचायत राज विभाग के अनुसार, अभी तक ग्राम पंचायतों से करीब दो करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिन ग्राम पंचायतों ने अभी प्रस्ताव नहीं भेजे हैं, उनसे भी जल्द प्रस्ताव देने को कहा गया है, ताकि सभी गांवों में जरूरत के मुताबिक विकास कार्य कराए जा सकें। हालांकि, 15वें वित्त आयोग से प्राप्त कई करोड़ रुपये की धनराशि अभी खर्च नहीं हो सकी है। ऐसे में विभाग की प्राथमिकता पहले इस धनराशि का उपयोग करने की है। इसके बाद 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि से नए कार्य कराए जाएंगे।

विकास कार्यों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों

ग्राम पंचायतों से मांगे जा रहे विकास कार्यों के प्रस्ताव, डीएम के अनुमोदन के बाद शुरू होंगे निर्माण कार्य

में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने पर भी जोर दिया जा रहा है। त्योहारों के मद्देनजर ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नालियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई, फागिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। झाड़ियों की कटाई के साथ मंदिरों, तालाबों, सामुदायिक शौचालयों और पंचायत सचिवालयों के आसपास विशेष सफाई कराई जा रही है।

जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव मांगे जा रहे हैं। डीएम के अनुमोदन के बाद कार्य शुरू कराए जाएंगे। गांवों में फागिंग, एंटी लार्वा छिड़काव और सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

शहर के मुकाबले गांवों में कम खर्च कर रहे मथुरा के लोग

एनएसओ की रिपोर्ट में सामने आई घरेलू उपभोग व्यय की तस्वीर, शहरी क्षेत्र में प्रति व्यक्ति खर्च 4125 रुपये

ग्रामीण क्षेत्र में 3578 रुपये मासिक उपभोग व्यय का अनुमान, शहर और गांव के बीच 547 रुपये का अंतर



यूनिक समय, मथुरा। जनपद में ग्रामीण और शहरी जीवनशैली के बीच खर्च का अंतर सामने आया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की घरेलू उपभोग व्यय संबंधी रिपोर्ट के अनुसार जिले के शहरी क्षेत्र में रहने वाले लोग ग्रामीण क्षेत्र के मुकाबले अधिक खर्च कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय का अनुमान 3578 रुपये है, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा 4125 रुपये तक पहुंच गया है। दोनों क्षेत्रों के बीच प्रति व्यक्ति 547 रुपये प्रतिमाह का अंतर है। यह आंकड़ा जिले में रहन-सहन और घरेलू जरूरतों पर होने वाले खर्च की तस्वीर पेश करता है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 के जिला स्तरीय अनुमानों में मथुरा को भी शामिल किया गया है। रिपोर्ट में एफएच और एसएफएच मॉडल के आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उपभोग व्यय का आकलन किया गया है। ग्रामीण मथुरा में एफएच मॉडल के तहत प्रति व्यक्ति मासिक खर्च 3531 रुपये और एसएफएच मॉडल में 3578 रुपये आंका गया है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में एफएच मॉडल के अनुसार यह खर्च 4135 रुपये और एसएफएच मॉडल में 4125 रुपये अनुमानित है।

आसपास के जिलों से भी अलग है खर्च का स्तर

रिपोर्ट में पड़ोसी जिलों के आंकड़ों से तुलना करने पर भी मथुरा की स्थिति सामने आती है। ग्रामीण क्षेत्र में मथुरा का अनुमानित मासिक उपभोग व्यय आगरा के 3566 रुपये और हाथरस के 3561 रुपये से थोड़ा अधिक है, जबकि मेरठ के 4272 रुपये से कम है। शहरी क्षेत्र में मथुरा का 4125 रुपये का आंकड़ा आगरा के 4809 रुपये, हाथरस के 4426 रुपये और मेरठ के 5484 रुपये से नीचे है।

आय नहीं, खर्च का है सर्वेक्षण

एनएसओ के ये आंकड़े लोगों की मासिक आय नहीं बताते, बल्कि भोजन, कपड़े, आवास और अन्य जरूरी वस्तुओं एवं सेवाओं पर होने वाले प्रति व्यक्ति खर्च का अनुमान प्रस्तुत करते हैं। ये जिला स्तरीय आंकड़े प्रत्यक्ष सर्वेक्षण के बजाय सांख्यिकीय मॉडल के आधार पर तैयार किए गए हैं। रिपोर्ट से जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपभोग के तौर-तरीकों और खर्च के अंतर को समझने में मदद मिलती है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दौताना चौकी क्षेत्र में बीती रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, करन पुत्र लाल सिंह निवासी हरिया कोटला, फिरोजाबाद बाइक से जा रहे थे। हाइवे पर दौताना क्षेत्र में किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरवी के पुलिसकर्मियों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सरकारी मदद का हक, फिर भी प्रसूताओं के हाथ खाली

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जागरूकता और जरूरी दस्तावेजों के अभाव में कई लाभार्थी खुद ही इस सुविधा से वंचित रह जाते हैं। जिला महिला अस्पताल में ऐसा ही मामला सामने आ रहा है। यहां प्रसव कराने वाली कई महिलाएं सरकारी आर्थिक सहायता की पात्र होने के बावजूद हजारों रुपये की मदद नहीं ले पा रही हैं। किसी के पास आधार कार्ड नहीं है तो किसी का बैंक खाता उपलब्ध नहीं है। हैरानी की बात यह है कि अस्पताल प्रशासन के बार-बार समझाने के बाद भी कुछ परिवार जरूरी दस्तावेज देने में रुचि नहीं दिखाते।

सरकारी योजना के तहत अस्पताल में संस्थागत प्रसव कराने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके तहत शहरी क्षेत्र की प्रसूताओं को एक हजार रुपये और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को 1400 रुपये दिए जाते हैं। यह धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक



खाते में भेजी जाती है। इसके लिए आधार कार्ड और बैंक खाते का विवरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है।जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पुर्वानी ने बताया कि प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं के तीमारदारों को भर्ती से लेकर अस्पताल से छुट्टी होने तक कई बार जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा जाता है। उन्हें बताया जाता है कि आधार कार्ड और बैंक खाते का विवरण देने पर ही

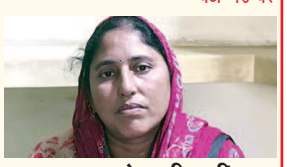
आधार और बैंक खाते की जानकारी नहीं देने से अटक रही सहायता राशि, जागरूक करने पर भी नहीं दे रहे दस्तावेज

सरकारी सहायता की रकम खाते में पहुंच सकेगी। इसके बावजूद कई परिवार दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराते। उन्होंने बताया कि कुछ तीमारदार तो साफ तौर पर आर्थिक सहायता लेने से ही इनकार कर देते हैं। ऐसे लोग लिखित रूप में भी दे जाते हैं कि उन्हें सरकारी धनराशि नहीं चाहिए। बैंक खाते की जानकारी नहीं मिलने पर अस्पताल प्रशासन भी सहायता राशि भेजने की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाता, लेकिन दस्तावेजों के अभाव और जागरूकता की कमी के चलते योजना का लाभ सभी पात्र महिलाओं तक नहीं पहुंच पा रहा है।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें



मां को अंतिम विदाई देते भावुक हुए योगी भाई संग दी मुखाग्नि
पेज-10 पर



हालात से हारी नहीं ललिता,रोडवेज में कंडक्टर बन संभाला परिवार
पेज-12 पर

ड्यूटी छोड़ रील बनाने वाले रेलकर्मियों पर रेलवे सख्त



यूनिक समय, मथुरा। कभी मंदिरों में भक्ति की रील तो कभी स्टेशन परिसर में वीडियो शूटिंग। इंटरनेट मीडिया पर छाने का शौक अब रेलकर्मियों को भारी पड़ सकता है। ड्यूटी के दौरान रील बनाने और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के बढ़ते चलन को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने सख्त रुख अपनाया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि ड्यूटी के दौरान इस तरह की गतिविधियों से कर्मचारियों का ध्यान भटकता है और रेल परिचालन की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। ऐसे मामलों में संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इंटरनेट मीडिया पर वीडियो डाला तो होगी सख्त कार्रवाई

रेलवे की यह एडवाइजरी आगरा मंडल के अंतर्गत आने वाले मथुरा जंक्शन, मथुरा कैंट और वृंदावन रेलवे स्टेशन के कर्मचारियों पर भी लागू होगी।

धार्मिक नगरी मथुरा-वृंदावन में मंदिरों और आराध्य के गुणगान से जुड़े वीडियो-रील बनाने का चलन तेजी से बढ़ा है। स्थानीय लोग और कंटेंट क्रिएटर ब्रजभाषा में बातचीत और ब्रज संस्कृति से जुड़े वीडियो बनाना पसंद करते हैं। स्टेशन परिसरों में भी कई बार शूटिंग होती दिखाई देती है। ऐसे में ड्यूटी पर तैनात रेलकर्मियों का रील बनाने में व्यस्त रहना सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है। रेलवे के निर्देशों के मुताबिक, रेलवे परिसर या उपकरणों का इस्तेमाल कर व्यावसायिक वीडियो बनाने के लिए सक्षम अधिकारी से लिखित अनुमति और निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। शैक्षिक और जागरूकता संबंधी वीडियो के लिए भी डीआरएम, एडीआरएम या सीपीआरओ की अनुमति जरूरी होगी।

रील की कमाई पर रेलवे वसूलेगा शुल्क

ड्यूटी में रील या वीडियो बनाना वर्जित होगा, बिना अनुमति व्यावसायिक शूटिंग पर रोक रहेगी, कमाई होने पर रेलवे को अतिरिक्त शुल्क देना अनिवार्य होगा, नियमों का उल्लंघन करने पर नियम-15 के तहत कार्रवाई होगी।

इन नियमों का करना होगा पालन

शैक्षिक वीडियो के लिए एडीआरएम स्तर से अनुमति लेनी होगी, नियमित पोस्ट करने वाले को शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा, शपथ पत्र में कमाई न होने की घोषणा करनी होगी, रेलवे अधिकारी रील बनाने वाले के अकाउंट पर नजर रखेंगे।

> “ड्यूटी के समय रील या वीडियो बनाने से कर्मचारी का ध्यान भटकने की संभावना प्रबल होती है। रेल संचालन के दौरान छोटी सी लापरवाही की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।
>
> **– डॉ. शिवम शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी, प्रयागराज जोन।**



बीएसए कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण



औद्योगिक भ्रमण के दौरान मौजूद बीएसए कॉलेज के विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने ग्रेटर नोएडा स्थित कैलकॉम विजन लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के निर्माण और आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कंपनी प्रतिनिधियों ने एलईडी बल्ब, बैटरी, इमरजेंसी लाइट और इन्वर्टर बल्ब के निर्माण की प्रक्रिया समझाई। विद्यार्थियों ने एसएमटी, एमआई, असेंबली और आईक्यूसी विभागों का भ्रमण कर औद्योगिक कार्यप्रणाली को नजदीक से जाना।

ग्रेटर नोएडा की कैलकॉम विजन लिमिटेड में समझीं इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की निर्माण प्रक्रियाएं

चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बसल ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ औद्योगिक अनुभव भी जरूरी है। निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह और विभागाध्यक्ष रंजीत सिंह ने इसे विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण बताया।

छाता तहसील के समाधान दिवस में पहुंची सिर्फ 16 शिकायतें

यूनिक समय, मथुरा। तहसील छाता में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में इस बार फरियादियों की संख्या कम रही। कुल 16 शिकायतें दर्ज की गईं। सभी शिकायतें संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

पिछले समाधान दिवस के मुकाबले इस बार काफी कम फरियादी पहुंचे। प्राप्त शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित थीं। एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुण-दोष के आधार पर निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए।

इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। समाधान दिवस में एसडीएम छाता साक्षी शर्मा, तहसीलदार नितिन कुमार सहित राजस्व विभाग, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

“बोलती तस्वीर”

लापरवाही की पटरी पर मासूम बचपन



मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन कुछ लोग जल्दबाजी में सुरक्षा को ही नजरअंदाज कर देते हैं। तस्वीर में एक व्यक्ति छोटी बच्ची को लेकर रेलवे ट्रैक पार करता नजर आ रहा है। सवाल सिर्फ एक यात्री की जल्दबाजी का नही, बल्कि उस जिम्मेदारी का भी है, जिसमें एक वयस्क की लापरवाही किसी मासूम की सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। नियमों का पालन मजबूरी नही, जीवन की सुरक्षा है। **क्लिक फोटो–यूनिक समय**

आयुष चिकित्सालयों का पंजीकरण अब ऑनलाइन पोर्टल से होगा अनिवार्य

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में आयुष विभाग के अंतर्गत संचालित चिकित्सालयों और नैदानिक स्थापनाओं का पंजीकरण-नवीनीकरण अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कराना अनिवार्य होगा। डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।नई व्यवस्था के तहत सभी संबंधित संस्थानों को पोर्टल पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण और नवीनीकरण कराना होगा। यह व्यवस्था क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 के अंतर्गत लागू की गई है। डीएम ने विशेष रूप से 50 शैय्या से कम क्षमता वाले चिकित्सालयों और नैदानिक स्थापनाओं को भी इस प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया है, ताकि कोई संस्थान पंजीकरण या नवीनीकरण से वंचित न रहे। प्रक्रिया संबंधी जानकारी और सहयोग के लिए संबंधित संस्थान क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

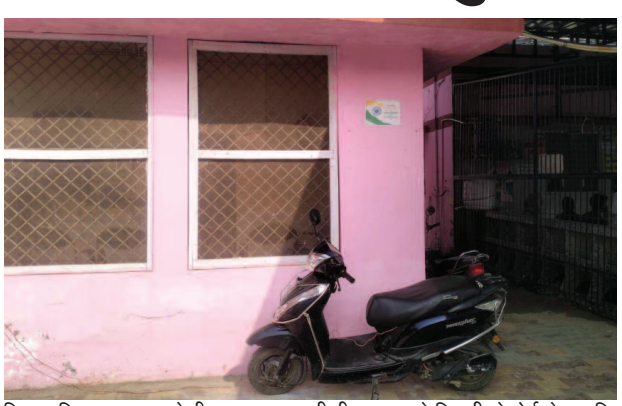
50 शैय्या से कम क्षमता वाले संस्थानों को भी कराना होगा पंजीकरण और नवीनीकरण

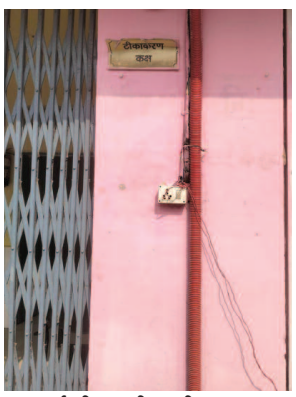
टीकाकरण कक्ष की दीवार पर खुले तार, स्कूटी चार्जिंग का अड्डा

यूनिक समय, मथुरा। जिला महिला अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। जिस टीकाकरण कक्ष में रोजाना महिलाएं छोटे बच्चों को लेकर पहुंचती हैं, उसी की दीवार पर लगे बिजली के बोर्ड से खुले तार निकालकर स्कूटी चार्ज की जा रही है। संवेदनशील स्थान पर खुले तारों का इस्तेमाल कभी भी करंट फैलने या आग लगने जैसी घटना का कारण बन सकता है।

टीकाकरण कक्ष में बच्चों और महिलाओं की लगातार आवाजाही रहती है। ऐसे में बिजली के बोर्ड से खुले तार निकालकर वाहन चार्ज करना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। यदि किसी बच्चे या महिला का हाथ इन तारों तक पहुंच गया अथवा स्पार्किंग हो गई तो बड़ा हादसा हो सकता है। सवाल है कि अस्पताल परिसर में वाहन चार्ज करने के लिए सुरक्षित स्थान होने के बावजूद टीकाकरण कक्ष की दीवार को ही चार्जिंग प्वाइंट क्यों बनाया गया?

ड्यूटी पर तैनात सुपरवाइजर सचेतना भारद्वाज ने बताया कि उन्होंने संबंधित गार्ड को कई बार इस तरह स्कूटी चार्ज करने से मना किया है, लेकिन इसके बावजूद चार्जिंग जारी है। वहीं जिला महिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पुर्वानी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। अस्पताल प्रशासन की ओर से स्कूटी चार्ज करने की कोई अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने इसे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग बताया।





जिला महिला अस्पताल के टीकाकरण कक्ष की दीवार पर लगे बिजली के बोर्ड से तार निकालकर चार्ज की जा रही स्कूटी।

बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़, हादसे का खतरा

सुपरवाइजर की आपत्ति के बावजूद नहीं रुकी चार्जिंग सीएमएस बोले– नहीं दी गई अनुमति

बारात चढ़ते समय दूल्हे के पिता की गला रेतकर हत्या

यूनिक समय, मथुरा। बेटे की शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब गोवर्धन में बरात चढ़ने के दौरान दूल्हे के पिता की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उनका शव जनवासे के पास खाली प्लाट में पड़ा मिला। आरोप है कि हत्यारा 50 हजार रुपये की नकदी और जेवरात से भरा बैग भी ले गया। मृतक के साले ने दामाद पर शक जताते हुए हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अलीगढ़ के इगलास तहसील क्षेत्र के गांव बसई बसगोई निवासी ओमप्रकाश (65) के बेटे अरविंद की बारात शनिवार को गोवर्धन में संतोष के यहां आई थी।

बारात चढ़ रही थी और डीजे की धुन पर बाराती नाच रहे थे। इसी दौरान ओमप्रकाश अचानक लापता हो गए। तलाश के दौरान किसी ने खेत की ओर से चीख सुनने की बात बताई। परिजनों और बरातियों ने आसपास तलाश की तो उनका गला कटा शव खाली प्लाट में मिला। घटना से शादी समारोह में चीख-पुकार मच गई। दूल्हा अरविंद और दोनों परिवारों के लोग स्तब्ध रह गए। सूचना पर सीओ गोवर्धन, एसपी देहात और एसएसपी श्लोक कुमार मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डीजे की तेज आवाज और भीड़ के बीच खेत में ले जाकर वारदात

नकदी-जेवर से भरा बैग भी गायब

शादी में खून बहाने की दी थी धमकी

परिजनों के अनुसार ओमप्रकाश की बेटी की शादी अलीगढ़ के बरला थाना क्षेत्र के नगरिया निवासी सुखवीर सिंह से हुई थी। ससुराल में विवाद चल रहा था। आरोप है कि सुखवीर ने शादी से पहले ओमप्रकाश को समारोह में खून बहाने की धमकी दी थी। मृतक के साले ने शक के आधार पर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

आरोपित की गिरफ्तारी को पुलिस टीमें गठित

एसएसपी श्लोक कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को निर्देश दिए हैं। पुलिस इस आशंका पर भी जांच कर रही है कि डीजे की तेज आवाज और भीड़ का फायदा उठाकर ओमप्रकाश को सुनसान स्थान पर ले जाया गया। बैग लूटने और हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।



मतदाता सूची में नाम जुड़वाने को कल भी लगेंगे विशेष शिविर



महावन के उच्च प्राथमिक स्कूल में जानकारी लेते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को जिले के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष शिविर लगाए गए। डीएम-जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, उच्च प्राथमिक विद्यालय महावन में शिविरों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बीएलओ से नए मतदाताओं के पंजीकरण और मतदाता सूची में संशोधन संबंधी आवेदनों की जानकारी ली।

डीएम ने निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और पात्र महिलाओं का नाम मतदाता सूची में प्राथमिकता से शामिल कराया जाए। कोई भी पात्र नागरिक पंजीकरण से वंचित न रहे।

उन्होंने नाम, पता और अन्य विवरणों में त्रुटियों के सुधार तथा नियमानुसार अपात्र और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पूरी करने को कहा।

शिविरों में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6, नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 और विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरवाए गए। डीएम ने बताया कि रविवार को भी सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ की मौजूदगी में विशेष शिविर लगेंगे। पात्र नागरिक अपने निकटतम मतदेय स्थल पर पहुंचकर आवेदन कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम महावन प्राजक्ता त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम-एसएसपी ने महावन में किया निरीक्षण, युवाओं और महिलाओं के पंजीकरण पर जोर

पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों को जनगणना के प्रति किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 के तहत शनिवार को पुलिस-यूनिफॉर्म फोर्स दिवस पर पुलिस लाइन स्थित सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुलिसकर्मियों को जनगणना के महत्व, उद्देश्य और प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही स्व-गणना के प्रति जागरूक कर उनकी स्व-गणना भी कराई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस-यूनिफॉर्म फोर्स के अधिकारियों-कर्मचारियों को जनगणना प्रक्रिया से जोड़ना और अभियान में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। जनगणना प्रभारी अश्वनी कुमार, जनगणना निदेशालय से आए जिला प्रभारी मृगेन्द्र सिंह, सह-प्रभारी अभिषेक पांडेय, जिला जनगणना सहायक कपिल यदुवंशी, तकनीकी सहायक अंकुर सक्सेना और ऋषभ कुमार ने प्रक्रिया की जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक राकेश कुमार बघेल और उपनिरीक्षक ओम प्रकाश सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ब्लॉक-11 बलदेव ने 68 रन से जीतकर फाइनल में किया प्रवेश

जगदीश अग्रवाल की 17 गेंदों पर 55 रनों की तूफानी पारी, बने मैन ऑफ द मैच

यूनिक समय, मथुरा। एकता कॉरपोरेट प्रीमियर लीग के सेमीफाइनल में ब्लॉक-11 बलदेव ने एकतरफा मुकाबले में चतुर्वेदी लायंस क्लब को 68 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली। शनिवार को एकता क्रिकेट अकादमी में खेले गए मुकाबले में ब्लॉक-11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 256 रन बनाए।

टीम की ओर से जगदीश अग्रवाल ने 17 गेंदों पर आठ चौके और तीन छक्कों की मदद से 55 रन ठोककर मुकाबले का रुख तय कर दिया। विनीत चौधरी ने 30, मोहित सरस्वत ने 37, मंटू ने 29 और प्रवीण कुमार ने 43 रन बनाए।



जवाब में चतुर्वेदी लायंस क्लब की टीम 20 ओवर में 188 रन पर सिमट गई। मिंटू कुरैशी ने 49 गेंदों पर 94 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। ब्लॉक-11 की ओर से प्रवीण कुमार ने तीन, मंटू, वीरेंद्र सिंह और मनीष चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। जगदीश अग्रवाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर एक्सप्रेस-वे से नीचे पलटी, चार घायल

यूनिक समय, सुरीर। शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे से नीचे जा गिरी और पलट गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। पुलिस और एक्सप्रेसवे कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली निवासी रितिक शनिवार सुबह पत्नी दिव्या, बेटी तन्नू और मां सुमित्रा के साथ कार से नोएडा से आगरा की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 6:30 बजे मांट थाना क्षेत्र में माइलस्टोन संख्या 97 के समीप अचानक कार अनियंत्रित हो गई। कार डिवाइडर से टकराने के बाद सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। हादसे में चारों लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पीआरवी 8420 पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। एक्सप्रेसवे की राहत-बचाव टीम ने भी मोर्चा संभाला। टोल चौकी प्रभारी हरेंद्र सिंह और उपाध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर राहत कार्य कराया। कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

अपहरण और हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील पुलिस ने अपहरण के बाद युवक की हत्या कर शव यमुना में फेंकने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शव यमुना तक ले जाने में इस्तेमाल की गई बाइक भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, नौहझील की नसरा कॉलोनी निवासी देवेंद्र घर से बिना किसी को बताए चला गया था। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं लगा तो परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की विवेचना में सामने आया कि देवेंद्र का अपहरण नसरा कॉलोनी निवासी मोहन सिंह ने अपने साथी के साथ मिलकर किया था। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने उसकी हत्या कर शव बाइक से ले जाकर यमुना में फेंक दिया।

पुलिस ने मामले में वांछित मोहन सिंह को जयगुरुदेव मंदिर से कुछ दूरी पर शेरगढ़ की ओर नौहझील क्षेत्र में गिरफ्तार कर लिया।

उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की गई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



यातायात माह और सड़क सुरक्षा पखवाड़े की खुली पोल

शहर के हर प्रमुख मार्ग पर जाम से जूझ रहे लोग, जिम्मेदारों को नहीं कोई सरोकार

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में यातायात माह और सड़क सुरक्षा पखवाड़ा चल रहा है, लेकिन सड़कों पर हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। शहर के शायद ही किसी प्रमुख मार्ग पर लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल पा रही हो। सुबह से शाम तक वाहन रेंगते नजर आते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर यातायात माह और सड़क सुरक्षा पखवाड़े का औचित्य क्या है? जब आम जनता को जाम से निजात नहीं मिल रही और सड़क हादसों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा तो इन अभियानों का लाभ किसे मिल रहा है?

हैरानी की बात यह है कि यातायात माह के दौरान पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारी स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। तिराहे-चौराहों पर पंपलेट बांटकर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है।

बच्चों को भी नियमों का पाठ पढ़ाया जा रहा है, लेकिन धरातल पर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं।

शहर के प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण, बेतरतीब पार्किंग, यातायात नियमों की अनदेखी और अव्यवस्थित वाहन संचालन जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। इसके चलते लोगों को रोजाना जाम से जूझना पड़ता है। वहीं, सड़क हादसों में भी लोगों की जान जा रही है। इसके बावजूद हादसों के कारणों की समीक्षा कर उन्हें रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर गंभीरता नहीं दिखाई देती।सवाल यह है कि क्या केवल पंपलेट बांटने और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने से यातायात व्यवस्था सुधर जाएगी? जरूरत है कि संबंधित विभाग संयुक्त रूप से जाम वाले स्थानों को चिन्हित करें, अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई करें, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। जब तक सड़कों पर व्यवस्थाएं नहीं सुधरेंगी, तब तक यातायात माह और सड़क सुरक्षा अभियान महज कागजी खानापूर्ति बनकर रहेंगे।

मिनटों की दूरी घंटों में होती है पूरी

जाम में फंसने के बाद मिनटों की दूरी घंटों में तय होती है। इस पर यातायात पुलिस कोई ध्यान नहीं दे रही है। जाम से लोगों को मुक्ति दिलाने के नाम पर यातायात पुलिस ने तिराहे चौराहे और कटों को बेरिकेड लगा कर बंद कर दिया है। इससे वाहन चालकों की समस्या और बढ़ गई है।

अब तक 32 लोगों की हो चुकी है मौत

कहने को यातायात माह और सड़क सुरक्षा पखवाड़ा चल रहा है। बावजूद इसके सड़क हादसों में कोई कमी नहीं आई है। 20 नवंबर तक जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में 32 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं जाम के हालात पूर्व की तरह बने हुए हैं।

बनानी होगी ठोस योजना

जिम्मेदार विभागों के अधिकारी यदि वास्तव में जनपद वासियों को जाम से मुक्ति दिलाने चाहते हैं, तो उन्हें इसके लिए ठोस योजना बनानी होगी। जनप्रतिनिधियों, कारोबारियों, उद्योगपति और आम नागरिकों के साथ बैठक कर यातायात समस्या का हल निकालने के लिए विचार विमर्श करना होगा।



दामोदरपुरा में कांग्रेस का सामाजिक न्याय सम्मेलन कल, जुटेंगे दिग्गज



कांग्रेस की बैठक में मौजूद पूर्व मंत्री श्याम सुंदर उपाध्याय, जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर आदि।

यूनिक समय, मथुरा। सामाजिक न्याय और अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए रविवार को दामोदरपुरा स्थित होली पार्क में कांग्रेस का सामाजिक न्याय अधिकार सम्मेलन आयोजित होगा। सुबह 11 बजे होने वाले सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने की भी तैयारी है।

शनिवार को सेठबाड़ा स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सामाजिक न्याय कांग्रेस की विचारधारा का मूल आधार है। कांग्रेस संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिलना जरूरी है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं। मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि शिक्षा, रोजगार, राजनीति और प्रशासन में पिछड़े, दलित और कमजोर वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने कहा कि दलित और वंचित समाज आज भी अपने संवैधानिक अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष कर रहा है। सम्मेलन में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष-उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना', राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी और ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव सहित अनेक वरिष्ठ नेता-पदाधिकारी शामिल होंगे। कांग्रेस नेताओं ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

होली पार्क में सुबह 11 बजे होगा आयोजन, बड़ी संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ने की तैयारी

उत्तम सेवा समिति के विवाह सम्मेलन में छह जोड़े परिणय सूत्र में बंधे



नवयुगलों को आशीर्वाद देते उत्तम सेवा समिति के पदाधिकारी और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी पर शनिवार को उत्तम सेवा समिति की ओर से शिवराम सिंह रिसोर्ट, सतोहा रोड स्थित पालीखेड़ा चौक पर आठवें वार्षिक सर्वजातीय विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें छह जोड़ों का विवाह विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराया गया।

समिति की ओर से सभी नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामान भेंट किया गया। आयोजन का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सर्वसमाज की एकता को बढ़ावा देना रहा। अतिथियों ने सामूहिक विवाह को आर्थिक सहयोग और सामाजिक एकजुटता की दिशा में सराहनीय पहल बताया।

नवदंपतियों को गृहस्थी का सामान भेंट कर दी नई शुरुआत की सौगात

इस अवसर पर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम चौधरी, मीडिया प्रभारी दिनेश शर्मा, पार्षद अभिजीत चौधरी, समाजसेवी अरुण रावल, पवन दुबे, महिपाल, सुजान सिंह, बीना देवी, एडवोकेट चंचल, भगवान सिंह प्रधान, राम गोपाल काका, सुजीत प्रधान और लाल सिंह चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने नवदंपतियों को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।



योगनिद्रा से जागे भगवान दीर्घ विष्णु, 12 लाख मंत्रों से स्तुति

108 ब्राह्मणों ने किया मंत्रोच्चार, एक लाख आहुतियों से संपन्न हुआ महायज्ञ

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी पर शनिवार को प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागरण के उपलक्ष्य में वैदिक अनुष्ठान, महायज्ञ और तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और जयकारों से गूंज उठा।

मंदिर सेवायत महंत कान्ता नाथ चतुर्वेदी सरदार के नेतृत्व में सुबह आठ बजे से 108 ब्राह्मणों ने भगवान श्री दीर्घ विष्णु की 12 लाख द्वादशाक्षरी मंत्रों से स्तुति और आराधना की। इसके बाद 21 ब्राह्मणों ने एक लाख आहुतियों के साथ महायज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ में विश्व कल्याण और लोकमंगल की कामना से आहुतियां समर्पित की गईं। इसके पश्चात भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का वैदिक विधि-विधान से विवाह कराया गया।


दीर्घ विष्णु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वेद मंत्रों का जाप करते ब्राह्मण।

समस्त अनुष्ठान आचार्य अवधेश कृष्ण के आचार्यत्व में संपन्न हुए। महंत कान्ता नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि देवोत्थान एकादशी पर भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागते हैं। इसी के साथ मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। इस दिन तुलसी पूजन और दीपदान का विशेष महत्व है।

आयोजन में श्री दीर्घ विष्णु सेवा संस्थान के संयोजक आचार्य ब्रिजेंद्र नागर, प्रवक्ता रामदास चतुर्वेदी शास्त्री, आचार्य मुरलीधर चतुर्वेदी, राजेंद्र अग्रवाल और मूलचंद गर्ग ने सहयोग किया। व्यवस्थाएं महासचिव बालकृष्ण चतुर्वेदी और कोषाध्यक्ष लालकृष्ण चतुर्वेदी ने संभालीं। निरंजन गोस्वामी का विशेष सहयोग रहा।

जीएलए के 12,480 विद्यार्थियों ने दी भारत बौद्धिक परीक्षा


शनिवार को जीएलए विश्वविद्यालय में भारत बौद्धिक परीक्षा देते विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति, इतिहास और बौद्धिक विरासत को उच्च शिक्षा से जोड़ने की दिशा में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा ने एक बड़ी शैक्षणिक पहल की है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की 'भारत बौद्धिक परीक्षा' का भव्य-सुव्यवस्थित आयोजन किया गया, जिसमें 12,480 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय के सभी 12 ब्लॉकों में परीक्षा आयोजित कर विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक क्षमता, भारतीय ज्ञान प्रणाली की समझ और शैक्षणिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया गया।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी सभ्यता, संस्कृति और वैज्ञानिक चिंतन की अमूल्य धरोहर है। इसमें विज्ञान, गणित, चिकित्सा, दर्शन, कला और सामाजिक व्यवस्था से संबंधित ज्ञान का व्यापक भंडार समाहित है। भारत बौद्धिक परीक्षा जैसी पहल विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ इस विरासत को आधुनिक शिक्षा के दृष्टिकोण से समझने का अवसर प्रदान करती है। जीएलए विश्वविद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थी आधुनिक तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के साथ अपनी समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा से भी परिचित हों। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता और भारतीय ज्ञान के प्रति जागरूकता को दर्शाती है।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, ब्रज प्रांत के अध्यक्ष प्रो. केके कनोडिया ने परीक्षा की जानकारी देते हुए बताया कि 'भारत बौद्धिक परीक्षा' का आयोजन विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा किया जा रहा है। यह भारतीय ज्ञान प्रणाली (इंडियन नॉलेज सिस्टम्स) पर आधारित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान के विविध आयामों से परिचित कराना और उन्हें राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना है। डॉ. चंद्र शेखर दिवाकर राजकीय महाविद्यालय मांट और डॉ आदेश शर्मा जीएल बजाज ने पर्यवेक्षक कि भूमिका निभाई। पर्यवेक्षकों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों और ब्लॉकों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन, विद्यार्थियों की व्यवस्थाओं और अन्य आवश्यक प्रबंधों का जायजा लिया।

इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय रैंकिंग, प्रमाणपत्र और योग्यता आधारित सम्मान प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त एक लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। राष्ट्रीय टॉपर को एक लाख रुपये, दो विद्यार्थियों को 50-50 हजार रुपये, चार विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इतनी ही धनराशि अलग से जीएलए विश्वविद्यालय द्वारा सभी पुरुस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान कि जाएगी, इसके अलावा विभिन्न सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

परीक्षा के समग्र समन्वय-संचालन की जिम्मेदारी एसोसिएट डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. आशीष शुक्ल, मुख्य परीक्षा नियंत्रक प्रो. अतुल बंसल और नोडल अधिकारी प्रो. विवेक अग्रवाल ने निभाई। प्रो शुक्ला ने बताया कि परीक्षा में स्नातक-परास्नातक स्तर के विद्यार्थी शामिल हुए। दो घंटे की इस ऑफलाइन परीक्षा में 180 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए, जिनमें से विद्यार्थियों को कोई भी 80 प्रश्न हल करने थे। इसके साथ एक वर्णनात्मक प्रश्न भी शामिल था। परीक्षा का दायरा विज्ञान, कला-सामाजिक विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों तक विस्तृत रहा।

परीक्षा के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव अशोक कुमार सिंह, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. आशीष शर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों-विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के सभी विभागों के डीन, डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्षों ने अपने–अपने विभागों में परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं और समन्वय की जिम्मेदारी संभाली। परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के लिए विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से पर्यवेक्षक-अन्य पदाधिकारी भी विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद रहे।

एलीट स्कूल के नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्ले–ग्रुप से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा मशाल दौड़ और शानदार ड्रिल के साथ हुआ स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ



खेल महोत्सव के दौरान स्पर्धा में भाग लेतीं बालिकाएं।

यूनिक समय, मथुरा। एलीट न्यू जनरेशन इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 'स्पोर्ट्स मीट-2026' का भव्य आयोजन उत्साह के साथ किया गया। शुभारंभ विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के स्वागत, मशाल दौड़ और विद्यार्थियों की शानदार ड्रिल के साथ हुआ। इसके बाद खेल प्रतियोगिताओं की औपचारिक शुरुआत की गई। प्ले-ग्रुप से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभा दिखाई। प्ले-ग्रुप में पूनम शर्मा और खुशबू जैन के निर्देशन में फ्रॉग, टेडी और मिकी माउस रेस हुई। नर्सरी में वंदना भाटिया, नंदिनी रुहेला, हर्षलता सिंह और दीपिका शर्मा के संयोजन में रेस टू द रिंग, बैलून रेस, बॉल्स इन द रिंग और ड्रैग द बॉल आयोजित हुईं। केजी में ज्योति शर्मा, नेहा शर्मा, राशि बंसल, अंजलि शर्मा और अनीता वर्मा के नेतृत्व में बैक रेस, हर्डल, 50 मीटर, बनी हॉप और हुला हूप रेस हुई। प्री-प्रथम की कलेक्ट द ऑब्जेक्ट रेस रीता अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुई। कक्षा प्रथम में प्रियंका जैन, कनक वर्मा, गुंजन भटनागर, भक्ति अग्रवाल और राखी गौर के संयोजन में पांच प्रतियोगिताएं हुईं। कक्षा द्वितीय में शालिनी, रूबी बानो, भावना शर्मा, राधिका सिंह और अंजना वार्ष्णेय के निर्देशन में पांच स्पर्धाएं आयोजित की गईं। विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। प्रधानाचार्य अंकित खंडेलवाल ने कहा कि शारीरिक और मानसिक फिटनेस के लिए खेल जरूरी हैं। विद्यालय एडमिनिस्ट्रेटर मुकेश चौधरी और ओएसडी डॉ. सौरभ तिवारी ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया।

युवा मतदाताओं को मतदान के अधिकार के प्रति किया जागरूक

एनएसएस ने चलाया जागरूकता अभियान

यूनिक समय, मथुरा। युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने और मतदाता सूची में नए नाम दर्ज कराने के उद्देश्य से किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को जागरूकता-शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं को मतदान के महत्व और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है। प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहना चाहिए। एनएसएस स्वयंसेवकों की जिम्मेदारी है कि वे स्वयं जागरूक होने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। एनएसएस के जिला नोडल अधिकारी-मथुरा विधानसभा स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. अशोक कुमार कौशिक ने बताया कि जिन युवाओं की आयु एक जनवरी 2027 तक 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत फॉर्म संख्या-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

संचालन करते हुए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक रहने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर डॉ. अजय उपाध्याय, डॉ. नरेंद्र कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षक और एनएसएस स्वयंसेवक मौजूद रहे।

यूपी बोर्ड ने खोली संशोधन की खिड़की,अंतिम मौका

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड ने कक्षा नौ और 11 के विद्यार्थियों को अग्रिम पंजीकरण में हुई गलतियां सुधारने का एक और अवसर दिया है। इसके लिए बोर्ड की वेबसाइट 20 से 30 नवंबर की मध्यरात्रि 12 बजे तक खुली रहेगी। इस अवधि में विद्यालय स्तर से विद्यार्थियों के शैक्षिक विवरणों में संशोधन किया जा सकेगा। इसके बाद किसी भी तरह का बदलाव करने का मौका नहीं मिलेगा। शैक्षिक सत्र 2026-27 (परीक्षा वर्ष 2028) के लिए कराए गए अग्रिम पंजीकरण में कई विद्यालयों की ओर से विद्यार्थियों के विवरण अपलोड करने में गलतियां सामने आई हैं। छात्रहित को देखते हुए बोर्ड ने संशोधन की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके तहत विद्यार्थियों के नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि, लिंग, जाति, विषय और हिंदी-अंग्रेजी माध्यम से संबंधित त्रुटियां सुधारी जा सकेंगी। इसके अलावा फोटो और वर्ग में भी संशोधन किया जा सकेगा। कक्षा 11 के विद्यार्थियों के पंजीकरण में हाईस्कूल का गलत अनुक्रमांक दर्ज होने पर उसे भी सही किया जा सकेगा। बोर्ड ने नियमानुसार विद्यार्थियों के विवरण डिलीट और रिस्टोर करने की सुविधा भी दी है। संशोधन की पूरी प्रक्रिया विद्यालयों के माध्यम से पूरी की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि बोर्ड ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्धारित समय में विद्यार्थियों के विवरणों की जांच कर गलतियां ठीक कराने के निर्देश दिए हैं। संशोधन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रधानाचार्यों को प्रमाण-पत्र देना होगा कि उनके विद्यालय के किसी भी परीक्षार्थी के विवरण में कोई त्रुटि शेष नहीं है।

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि 30 नवंबर की मध्यरात्रि 12 बजे के बाद संशोधन का कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। इसके लिए परिषद की आधिकारिक वेबसाइट यूपी. एमएसपी. ईडीयू. आइएन पर व्यवस्था की गई है।

केडी विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा

छात्र–छात्राओं को दिलाई नियमों के पालन की शपथ

हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा का पालन करने का दिया संदेश


छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाती डॉ. गगनदीप कौर।

यूनिक समय, मथुरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए केडी विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' थीम पर आयोजित अभियान के तहत शनिवार को छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। इस दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल के साथ सुरक्षित वाहन संचालन का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, केडी मेडिकल कॉलेज के डीन-प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, उप-प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने मेडिकल छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क पर की गई छोटी सी लापरवाही भी किसी की जिंदगी छीन सकती है। इसलिए यातायात नियमों का पालन प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने की अपील की। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने और नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने पर जोर दिया। साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उप-प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर ने बताया कि 30 नवंबर तक चलने वाले पखवाड़े में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, क्विज, नुक्कड़ नाटक और सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य-नेत्र परीक्षण शिविर भी लगाए जाएंगे।

यूनिवर्सिटी फेयर में विद्यार्थियों को बताए उच्च शिक्षा के अवसर


कान्हा माखन मिलेनियम स्कूल में आयोजित यूनिवर्सिटी फेयर में मौजूद विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि।

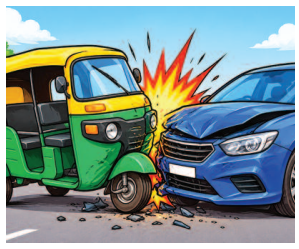
देशभर के 20 से अधिक विश्वविद्यालयों ने लिया हिस्सा, करियर चयन के लिए किया मार्गदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के विकल्पों और करियर की संभावनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से कान्हा माखन मिलेनियम स्कूल, ओमैक्स इटर्निटी में समग्र शिक्षा मथुरा के अंतर्गत दो दिवसीय यूनिवर्सिटी फेयर आयोजित किया गया। इसमें देशभर के 20 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों ने सहभागिता की।

फेयर में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों को विभिन्न पायक्रमों, विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया और करियर विकल्पों की जानकारी दी गई। कान्हा माखन ग्रुप की विभिन्न शाखाओं के अलावा मथुरा के सीबीएसई और यूपी बोर्ड के विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गलगोटियास, एमिटी, शारदा, चंडीगढ़, संस्कृति, जीएल बजाज, ग्राफिक एरा, मंगलायतन, महिंद्रा और एमआईटी सहित विभिन्न संस्थानों ने अपने स्टॉल लगाए। विद्यालय के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और डायरेक्टर ललित अग्रवाल ने अतिथियों का आभार जताया। प्रधानाचार्य प्रतिभा पंडित ने अतिथियों का सम्मान कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डीआईओएस राघवेंद्र सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम कराने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. श्याम सुंदर शर्मा, डॉ. लकी, आशीष मिश्रा, अभिषेक पारीख, प्रीति भंडारी और शिल्पी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हाईवे किनारे खड़ी कार में अनियंत्रित ऑटो ने मारी टक्कर, चालक गंभीर

यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सड़क किनारे खड़ी एक कार में तेज रफ्तार ऑटो ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि कार के पिछले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।



वसुंधरा एंक्लेव निवासी शशांक सोनी शनिवार को अपने परिवार के साथ बच्चों के स्कूल में पीटीएम अटेंड कर लौट रहे थे। हाईवे किनारे कॉलोनी के पास उन्होंने कार रोकी और बच्चों का सामान लेने के लिए दुकान पर चले गए। कार में उनकी पत्नी आशिमा सोनी और पांच वर्षीय मासूम बेटा दिव्यांश बैठे हुए थे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ऑटो ने खड़ी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के दुकानों में बैठे लोग दहशत में बाहर निकल आए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए तुरंत कार में फंसे मां-बेटे को सकुशल बाहर निकाला। वहीं खून से लथपथ ऑटो चालक को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऑटो चालक दिव्यांग है। सड़क पर अचानक गाय आ जाने से गाय को बचाने के चक्कर में ऑटो अनियंत्रित होकर खड़ी कार से टकरा गया।

उठावनी



स्व. श्री ज्ञानचन्द्र अग्रवाल

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे लघु भ्राता श्री ज्ञानचन्द्र अग्रवाल जी (पुत्र स्व. श्री सेवकराम अग्रवाल) का आकस्मिक निधन 21.11.26 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 22.11.26 दिन रविवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका मसानी बाईपास लिंक रोड़, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः- महेशचन्द अग्रवाल (बडे भाई) रमनलाल अग्रवाल नारायन दास अग्रवाल (लाला) (छोटे भाई) ब्रजलता अग्रवाल (पत्नी) बृज भूषण (पुत्र) देवयानी (पुत्री) संदीप मित्तल एड., कुलदीप मित्तल, प्रदीप मित्तल (भतीजे)

खाद खरीदने के लिए एफआईडी और खतौनी जरूरी, बिना अंगूठा लगाए न लें बोरी

यूनिक समय, मथुरा। रबी फसलों की बुवाई के बीच जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता होने का दावा करते हुए जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने किसानों से निर्धारित मात्रा के अनुसार ही खाद खरीदने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर तक जिले में 32686 मीट्रिक टन यूरिया, 5138 मीट्रिक टन डीएपी और 4952 मीट्रिक टन एनपीकेएस उपलब्ध है।

जिले के 111 सहकारी बिक्री केंद्रों पर 814 मीट्रिक टन यूरिया और 573 मीट्रिक टन डीएपी, जबकि 716 निजी बिक्री केंद्रों पर 18150 मीट्रिक टन यूरिया और 2569 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। किसान एफआईडी और खतौनी लेकर केंद्रों से खाद खरीदें। उन्होंने कहा कि खाद लेते समय पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाने, बिक्री रजिस्टर में नाम दर्ज कराने और हस्ताक्षर करने के बाद ही बोरी प्राप्त करें। बिना अंगूठा लगाए खाद बेचने वाले विक्रेता की शिकायत मोबाइल नंबर 8272893015 पर करें। ऐसे विक्रेताओं के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जाएगी। एक हेक्टेयर में बोई गई फसल के लिए अधिकतम सात बोरी यूरिया और पांच बोरी डीएपी खरीदने की सीमा बताई गई है। किसानों से फसल की संस्तुत मात्रा के अनुसार ही उर्वरक इस्तेमाल करने की अपील की गई है।

जिले में यूरिया 32686 डीएपी 5138 और एनपीकेएस का 4952 मीट्रिक टन स्टॉक उपलब्ध

ट्रेनों में चोरी करने वाला गिरफ्तार

युनिक समय, मथुरा। जीआरपी ने रेलवे स्टेशन व ट्रेनों में चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का एक मोबाइल और 2500 रुपये नकद बरामद किए हैं। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम शनिवार को जंक्शन रेलवे स्टेशन पर गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने प्लेटफार्म संख्या आठ के अंतिम छोर पर झाड़ियों के पास दबिश देकर युवक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान

चोरी का मोबाइल और 2500 रुपये बरामद

उसके पास से एक चोरी का मोबाइल और 2500 रुपये बरामद हुए।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक कुमार पुत्र ऋषिपाल भगत निवासी मिर्जापुर बिचौला, थाना उसैत, जिला बदायूं के रूप में हुई है। जीआरपी आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दीपक से बरामद मोबाइल फोन के चोरी होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज है।

अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री की माता को दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, छाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन पर छाता तहसील के अधिवक्ताओं ने शनिवार को तहसील परिसर में शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिवक्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए दो मिनट का मौन रखा। शोकसभा में अधिवक्ता एमके गुप्ता, काकुल भारद्वाज, जिला अध्यक्ष मानव अधिकार मिशन नंद किशोर शर्मा, जगदीश उपाध्याय, विकास शर्मा, पवन कुमार, कमल सिंह, हरिओम सिंह, कपिल पालीवाल, धर्मवीर भारद्वाज, महेश शर्मा और लाखन सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

शादी-विवाह में परोसा जा रहा नकली पनीर

यूनिक समय, कोसीकलां। इन दिनों शादी-विवाह का सीजन चरम पर है और इसी सीजन में मिलावटखोरों की चांदी हो गई है। नगर और क्षेत्र में धड़ल्ले से नकली और मिलावटी पनीर बेचा जा रहा है, जो लोगों की सेहत के साथ खुला खिलवाड़ है।

सूत्रों के अनुसार नगर सहित क्षेत्र में कई डेयरियों और सप्लायरों द्वारा 150 से 200 रुपये किलो वाला सिंथेटिक और एनालॉग पनीर सप्लाई किया जा रहा है, जो पाम ऑयल, मिल्क पाउडर और केमिकल से बनाया जाता है। यही पनीर बैंड-बाजों, कैटरर्स और हलवाइयों के द्वारा शादियों में शाही पनीर, कढ़ाई पनीर और मिठाइयों के रूप में परोसा जा रहा है। असली पनीर की कीमत 320 से 350 रुपये किलो है, लेकिन सस्ते के चक्कर में लोग नकली पनीर

मिलावटखोरों की चांदी लोगों की सेहत से खिलवाड़

खरीद रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर नकली पनीर का कारोबार चल रहा है, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग नींद में सोया हुआ है। विभाग द्वारा न तो डेयरियों पर छापेमारी की जा रही है और न ही पनीर के सैंपल लिए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने डीएम और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मांग की है कि शादी के सीजन को देखते हुए नगर में बिक रहे पनीर की सघन जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि लोगों की सेहत को बचाया जा सके।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ तुलसी-शालिग्राम विवाह



शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन करते श्रद्धालु।

पुष्प मंडप में सजी विवाह की रस्में, देश-विदेश के श्रद्धालु बने साक्षी

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी पर शनिवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर स्थित श्रीतुलसी वाटिका में भगवान श्रीशालिग्राम और माता तुलसी का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार और मंगल ध्वनियों के बीच संपन्न हुआ। भव्य पुष्प मंडप में आयोजित समारोह में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने भाग लेकर कन्यादान और उपहार अर्पित किए।

संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि चातुर्मास के बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागृत होते हैं। इसी के साथ मांगलिक कार्यों का शुभारंभ होता है। सुबह भगवान श्रीकेशवदेव का तुलसी-शालिग्राम पूजन किया गया। शाम पांच बजे श्रीभागवत भवन से ढोल, मृदंग और संकीर्तन के बीच शालिग्राम की बारात निकली, जो तुलसी वाटिका पहुंची। यहां वैदिक विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। आयोजन में गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, अनुराग पाठक, नारायण राय, ब्रह्मानंद मिश्र, सनातन पंडा और रामअवतार अवस्थी का विशेष योगदान रहा।

महिला फुटबाल टीम के चयन ट्रायल्स 23 को

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय के तत्वावधान में पांच से 12 दिसंबर तक कानपुर में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें भाग लेने वाली आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए 23 नवंबर को दोपहर दो बजे एकलव्य स्टेडियम, आगरा में ट्रायल्स होंगे।

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय सीनियर महिला फुटबाल चयन ट्रायल्स 22 नवंबर को दोपहर तीन बजे स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक खिलाड़ी आधार कार्ड, मूल प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित हों।

कोसीकलां में बैंक और अस्पताल बने जाम का कारण

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में बैंक और अस्पतालों की मनमानी के चलते आम जनता को रोजाना जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। नगर के किसी भी निजी अस्पताल और बैंक में वाहन पार्किंग की कोई सुविधा नहीं है, जिसके कारण आए दिन मुख्य सड़कों पर भीषण जाम लगता है।

नगर के आर्य नगर, थाना रोड, मेन बाजार, पुराना जीटी रोड, बठैन गेट पर स्थित अधिकांश बैंकों और निजी अस्पतालों के बाहर पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। बैंक और अस्पताल में आने वाले ग्राहक और मरीज अपने दोपहिया और चार पहिया वाहन सड़क पर ही बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई आधी रह जाती है और जाम की स्थिति बन जाती है। कभी-कभी तो एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है।

कहीं नहीं है पार्किंग की सुविधा, जनता परेशान

नियमानुसार किसी भी अस्पताल और बैंक को संचालन के लिए पार्किंग की व्यवस्था करना अनिवार्य है, लेकिन कोसीकलां में नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। प्रशासन द्वारा भी इन संस्थानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे इनके हौसले बुलंद हैं। स्थानीय लोगों ने डीएम और नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि जिन बैंकों और अस्पतालों के पास पार्किंग सुविधा नहीं है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें पार्किंग की व्यवस्था करने के लिए मजबूर किया जाए ताकि नगर को जाम की समस्या से निजात मिल सके।

विश्व मंच पर यूपी का प्रतिनिधित्व करेंगे चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका परिषद के इतिहास में पहली बार ऐसा गौरवशाली क्षण आया है जब नगर का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर गूंजेगा। नगर पालिका अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल को मुंबई में आयोजित हो रहे विश्व के सबसे बड़े नगरीय सम्मेलन तीसरे विश्व महापौर फोरम-सातवें एशियन सिटी समिट के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 25-26 नवंबर को मुंबई के फेयरमोंट होटल में आयोजित होगा, जहां 35 देशों के



500 से अधिक महापौर, शहरों के मेयर और शहरी विकास विशेषज्ञ एक मंच पर जुटेंगे। नगरीय निकाय निदेशक अनुज कुमार झा द्वारा जारी सूची में उत्तर प्रदेश से केवल छह जनप्रतिनिधियों को इस समिट के लिए चुना गया है। यह कोसीकलां के लिए गर्व की बात है कि लखनऊ जैसी महानगर पालिका की महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ कोसीकलां के चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल को इस दल में स्थान मिला है। उनके साथ सीतापुर की अध्यक्ष नेहा अवस्थी, पीलीभीत के शैलेंद्र गुप्ता, गोकुल के संजय दीक्षित और रायपुर के अंशु त्रिपाठी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोसीकलां में हुए विकास कार्यों, ठोस कचरा प्रबंधन और जल संरक्षण के प्रयासों को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह सम्मेलन ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नेंस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे कोसीकलां नगर की जनता का है और वे इस मंच से मिले अनुभवों को नगर के विकास में लागू करेंगे।

अग्रसैन चौक में मोबाइल दुकान में हुई लाखों की चोरी का नहीं हो सका खुलासा, व्यापारियों में आक्रोश

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के अग्रसैन चौक स्थित गिरधारी वॉच एंड मोबाइल सेंटर में हुई लाखों रुपये की चोरी की घटना का पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर सकी है। चोरी की वारदात को कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं, जिससे व्यापारियों में भारी आक्रोश है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व बृजवासी मिष्ठान भंडार के सामने स्थित मोबाइल दुकान में तीन शातिर चोरों ने छत के रास्ते घुसकर करीब तीन लाख रुपये के मोबाइल फोन और स्मार्ट वॉच चोरी कर ली थीं।

यह पूरी वारदात सामने स्थित अस्पताल के सीसीटीवी में कैद हो गई थी, जिसमें तीन चोर करीब दो घंटे तक दुकान के अंदर दिखाई दे रहे थे। पीड़ित दुकान स्वामी ने बताया कि उसने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध करा दी है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस संबंध में इंस्पेक्टर कमलेश सिंह ने बताया कि सीसीटीवी के आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है, जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सुविचार

संवेदनाओं से भरे शब्द जीवन को नई रोशनी और अर्थ देते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	04:57-02:37 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	अश्विनी	06:50-04:15 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:45 AM	चन्द्रोदय	03:39 PM	
सूर्यास्त		5:25 PM	चंद्रास्त	05:07 AM	
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	मीन राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:58-05:51	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		04:05 PM: 05:25 PM	वार	रविवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कार्तिक पूर्णिमा पर दिखेगा साल का खास सुपरमून



यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा इस बार धार्मिक आस्था के साथ खगोलीय और ज्योतिषीय दृष्टि से भी खास रहने वाली है। 24 नवंबर को देव दीपावली के दिन आसमान में सुपरमून का नजारा दिखाई देगा। वहीं वैदिक ज्योतिष के अनुसार चंद्रदेव वृषभ राशि के कृत्तिका नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। इस दौरान शनि की तीसरी दृष्टि भी चंद्रमा पर पड़ेगी। इन विशेष संयोगों के चलते कार्तिक पूर्णिमा का महत्व और बढ़ गया है।

शनि की दृष्टि भी बनाएगी दुर्लभ संयोग, वृषभ राशि में रहेंगे चंद्रदेव

24 नवंबर को देव दीपावली के साथ पूर्णिमा का पर्व

शाम को दीपदान और पूजा का विशेष महत्व

पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि 23 नवंबर की रात 11:42 बजे शुरू होकर 24 नवंबर की रात 8:23 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली 24 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन शाम 5:08 से 7:47 बजे तक प्रदोष काल रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस अवधि में दीपदान और भगवान शिव की पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है।

खगोलीय गणना के अनुसार 25 नवंबर को चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीकी बिंदु पर पहुंचेगा। इस दौरान दोनों के बीच की दूरी करीब 3.59 लाख किलोमीटर रह जाएगी। पूर्णिमा इससे एक दिन पहले होने के कारण चंद्रमा सामान्य दिनों की तुलना में अधिक बड़ा और चमकीला नजर आएगा। इसे सुपरमून कहा जाता है। इस दौरान चंद्रमा की चमक सामान्य पूर्णिमा से लगभग 13.5 प्रतिशत अधिक हो सकती है।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार चंद्रमा वृषभ राशि में उच्च अवस्था में रहेंगे और कृत्तिका नक्षत्र में उनका गोचर होगा। वहीं मीन राशि में स्थित शनि की तीसरी दृष्टि वृषभ राशि पर पड़ेगी। ज्योतिष में चंद्रमा को मन और भावनाओं का कारक माना जाता है, जबकि शनि अनुशासन और कर्म के प्रतीक हैं। ऐसे में इस दिन संयम, ध्यान और संकल्प पर विशेष जोर दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान, जरूरतमंदों को अन्न–वस्त्र का दान, भगवान शिव का जलाभिषेक और शाम को दीपदान करने की परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धा के साथ किए गए धार्मिक कार्यों से पुण्य की प्राप्ति होती है।



33 नवयुगल दंपत्तियों ने थामा एक–दूजे का हाथ



नवयुगल दंपत्तियों को आशीर्वाद देते पदाधिकारी।

प्रजापति विकास समिति का 21वां सामूहिक विवाह समारोह

नवदंपतियों को दिए उपहार और चांदी के आभूषण

यूनिक समय, मथुरा। देवउठान एकादशी पर प्रजापति विकास समिति के तत्वावधान में महाविद्या रामलीला मैदान में 21वां सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 33 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधे। मंगलगीतों और वैवाहिक रस्मों के बीच समारोह स्थल पर उत्सवी माहौल रहा।

कार्यक्रम में विधायक श्रीकांत शर्मा और भाजपा ओबीसी मोर्चा के महानगर अध्यक्ष कपिल लोधी सहित अन्य अतिथियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। समिति की ओर से प्रत्येक जोड़े को घरेलू उपयोग का आवश्यक सामान, उपहार और चांदी के आभूषण भेंट किए गए, ताकि नवदंपति अपने नए जीवन की शुरुआत कर सकें।

सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष मांगीराम प्रजापति ने अतिथियों का स्वागत किया और आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

समारोह में मथुरा प्रसाद, विजेंद्र सिंह, मोहन सिंह, डॉ. सत्यवीर, सतीश, रेवती लाल, ओमप्रकाश गोला और मूलचंद्र सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

ठा.राधा दामोदर लाल ने दूल्हा स्वरूप में दिए दर्शन

देवोत्थान एकादशी पर मंदिर में धूमधाम से हुआ तुलसी–शालिग्राम विवाह गूंजे मंगल गीत

यूनिक समय, वृंदावन। सप्त देवालयों में प्रमुख ठाकुर श्री राधा दामोदर मंदिर में शनिवार को देवोत्थान एकादशी श्रद्धा-उल्लास के साथ मनाई गई। मंदिर परिसर में तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन हुआ। वहीं ठाकुर राधा दामोदर लाल ने दूल्हा स्वरूप में भक्तों को दर्शन देकर भाव-विभोर कर दिया।

मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी, आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी ने बताया कि देवोत्थान एकादशी पर भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागृत होते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का समापन और मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। इसी परंपरा के तहत तुलसी माता और भगवान शालिग्राम का विधि-विधान से विवाह कराया गया। तुलसी-शालिग्राम विवाह के दौरान पूजन-अर्चन और मंगल गीतों से



मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विवाह उत्सव में भाग लेकर ठाकुरजी के जयकारे लगाए और पुण्यलाभ अर्जित किया।

8 से 14 दिसंबर तक सांचौली में होगी हनुमंत चरित्र कथा

यूनिक समय, कोसीकलां। गांव सांचौली के देवी मंदिर हनुमान वाटिका में 8 से 14 दिसंबर तक हनुमंत चरित्र कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक होगी। कथा व्यास डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक हनुमंत चरित्र का श्रवण कराएंगे। कथा का शुभारंभ आठ दिसंबर को सुबह 10 बजे भव्य कलश यात्रा से होगा। 14 दिसंबर को सुबह 10 बजे संत समागम और 15 दिसंबर मंगलवार को सुबह 10 बजे 52 पाल एवं समस्त ब्रजमंडल के लिए विशाल झरा भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथा का आयोजन केबीनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में किया जाएगा।

शिव के त्रिशूल से मरा त्रिपुरासुर,देवताओं ने मनाई देव दिवाली

यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा पर मनाई जाने वाली देव दिवाली का संबंध भगवान शिव की उस पौराणिक कथा से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध कर देवताओं को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी विजय की खुशी में देवताओं ने धरती पर उतरकर दीप जलाए थे। तभी से कार्तिक पूर्णिमा पर देव दिवाली मनाने की परंपरा शुरू हुई। काशी में इस पर्व का विशेष महत्व है। यहां गंगा के घाट लाखों दीपों की रोशनी से जगमगा उठते हैं और पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है।

पौराणिक कथा के अनुसार, त्रिपुरासुर नामक राक्षस ने अपनी शक्तियों के बल पर धरती और



स्वर्ग लोक में आतंक मचा रखा था। उसके अत्याचारों से परेशान होकर देवताओं ने भगवान शिव से सहायता मांगी। इसके बाद भगवान शिव ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर का वध कर तीनों लोकों को उसके आतंक से मुक्त कराया। इस विजय से प्रसन्न होकर देवी–देवताओं ने धरती पर आकर दीप जलाए और उत्सव मनाया। इसी घटना की स्मृति में देव दिवाली का पर्व मनाए जाने की मान्यता है।

त्रिपुरासुर के आतंक से मुक्ति दिलाने को शिव ने किया वध

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर दीपदान की परंपरा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के प्रोफेसर पंडित सुभाष पांडेय के अनुसार, मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर देवता अदृश्य रूप में गंगा के घाटों पर आते हैं। इस दिन घाटों पर दीपदान और गंगा आरती का विशेष महत्व होता है। काशी में इस अवसर पर अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। इस बार 24 नवंबर को देव दिवाली मनाई जाएगी।

पंडित सुभाष पांडेय ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर सुबह स्नान के बाद काला तिल, अनाज और ऊनी वस्त्रों का दान करना शुभ माना जाता है। शाम को स्वच्छ वस्त्र धारण कर पांच, सात या 11 दीप जलाकर दीपदान करना चाहिए। गंगा तट तक पहुंचना संभव न हो तो घर के पास स्थित सरोवर में भी दीपदान किया जा सकता है।

सम्पादकीय

बाबा के दरबार में बाहुबलियों की सियासी हाजिरी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बाहुबल, जातीय समीकरण और धार्मिक प्रभाव का गठजोड़ कोई नई बात नहीं है। लेकिन पिछले कुछ समय से बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दरबार में प्रदेश के प्रभावशाली नेताओं की बढ़ती मौजूदगी एक नए राजनीतिक–सामाजिक समीकरण की ओर इशारा कर रही है। प्रतापगढ़ के कुंडा में राजा भैया की ओर से आयोजित रामकथा ने इस चर्चा को और हवा दी है। सवाल यह है कि आखिर बाहुबली छवि वाले नेताओं को धीरेंद्र शास्त्री का मंच इतना क्यों आकर्षित कर रहा है? राजा भैया के आयोजन में धनंजय सिंह, बृजेश सिंह, बृजभूषण शरण सिंह सहित कई प्रभावशाली नेताओं की मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों का ध्यान खींचा। खास बात यह रही कि अलग–अलग क्षेत्रों और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से जुड़े चेहरे एक धार्मिक मंच पर दिखाई दिए। सामान्य राजनीतिक मंच पर जिन नेताओं का साथ आना मुश्किल होता है, वे धार्मिक आयोजनों में सहजता से एक साथ नजर आते हैं। यही धार्मिक मंच की सामाजिक स्वीकार्यता और प्रभाव है। इस आकर्षण का एक बड़ा कारण धीरेंद्र शास्त्री की लोकप्रियता है। उनकी कथाओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और सोशल मीडिया पर भी उनके कार्यक्रमों की व्यापक चर्चा रहती है। ऐसे लोकप्रिय कथावाचक को अपने क्षेत्र में बुलाना किसी भी नेता के लिए जनसंपर्क और सामाजिक पहचान बढ़ाने का अवसर बन सकता है। धार्मिक आयोजन के माध्यम से नेता अपनी छवि को केवल राजनीतिक दायरे से बाहर निकालकर समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचा सकते हैं। बाहुबली छवि वाले नेताओं के लिए यह पहलू विशेष महत्व रखता है। जिनकी सार्वजनिक पहचान अक्सर राजनीतिक संघर्ष और क्षेत्रीय दबदबे से जुड़ी रही है, वे धार्मिक आयोजनों के जरिए अपने व्यक्तित्व का दूसरा पक्ष सामने रख सकते हैं। हालांकि इसे केवल छवि सुधार की कवायद मानना भी उचित नहीं होगा। कई नेताओं की धार्मिक आस्था वास्तविक हो सकती है, लेकिन सार्वजनिक जीवन में आस्था और राजनीतिक लाभ के बीच अंतर समझना जरूरी है। धीरेंद्र शास्त्री के प्रवचनों में हिंदू एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपरा जैसे विषय प्रमुखता से उठते हैं। इन मुद्दों से जुड़ाव रखने वाले नेताओं को यहां वैचारिक समानता का मंच भी मिलता है। ऐसे आयोजनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं की मौजूदगी धार्मिक प्रभाव के राजनीतिक विस्तार की संभावनाएं भी दिखाती है। लोकतंत्र में धार्मिक स्वतंत्रता सभी को प्राप्त है, लेकिन धर्म को राजनीतिक प्रतिष्ठा और प्रभाव का साधन बनाने की प्रवृत्ति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। किसी नेता की वास्तविक स्वीकार्यता उसके धार्मिक आयोजनों की भव्यता से नहीं, बल्कि उसके जनसेवा के काम, सार्वजनिक आचरण और जवाबदेही से तय होनी चाहिए। बाबा का दरबार आस्था का केंद्र बना रहे, राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा नहीं।



पवन गौतम
संपादक

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

शांति के नाम पर महाशक्तियों की नई बिसात

बोध प्रकाश सगुणी



विश्व राजनीति में शांति की बातें अक्सर शक्ति प्रदर्शन और रणनीतिक हितों के बीच उलझकर रह जाती हैं। जब दुनिया की तीन प्रमुख परमाणु शक्तियों अमेरिका, चीन और रूस के राष्ट्राध्यक्ष एक साथ बैठकर वैश्विक व्यवस्था पर चर्चा करते हैं, तो उसका प्रभाव केवल उन तीन देशों तक सीमित नहीं रहता। इसका असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और छोटे–बड़े देशों के भविष्य पर भी पड़ता है। शेनझेन में डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की प्रस्तावित ऐतिहासिक मुलाकात और चार सूत्रीय शांति घोषणापत्र को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। इसे विश्व शांति की दिशा में बड़ा कदम बताना जल्दबाजी होगी, क्योंकि महाशक्तियों की कूटनीति में घोषित उद्देश्यों से अधिक महत्वपूर्ण उनके वास्तविक हित होते हैं।

इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू परमाणु हथियारों को लेकर तीनों देशों का रुख है। चीन परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन की बात करता है, जबकि अमेरिका की ओर से इन्हें पूरी तरह समाप्त करने की व्यावहारिक कठिनाइयों को स्वीकार किया जाता रहा है। दूसरी ओर रूस भी अपनी सामरिक क्षमता को राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार मानता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केवल बातचीत और घोषणाओं से परमाणु हथियारों का खतरा कम हो सकता है? दुनिया के सामने वास्तविक चुनौती परमाणु हथियारों की संख्या घटाने, उनके इस्तेमाल की आशंका कम करने और हथियार नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था स्थापित करने की है। इसके लिए समयबद्ध समझौते, पारदर्शिता और स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय निगरानी जरूरी है। केवल परमाणु जोखिम कम करने की अपील से दुनिया को सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता।

चीन की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एक ओर वह स्वयं को वैश्विक शांति और स्थिरता का समर्थक बताता है, दूसरी ओर एशिया में अपनी सैन्य और आर्थिक उपस्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। अमेरिका और रूस भी अपने–अपने रणनीतिक हितों के अनुसार चीन के साथ संबंधों को साधने में लगे हैं। ऐसे में तीनों देशों की नजदीकी को स्थायी मित्रता समझना उचित नहीं होगा। इनके बीच प्रतिस्पर्धा, अविश्वास और प्रभाव क्षेत्र बढ़ाने की महत्वाकांक्षा पहले भी रही है। संभव है कि साझा हितों के कुछ मुद्दों पर सहमति बन जाए, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उनके पुराने मतभेद समाप्त हो गए हैं।

इस त्रिपक्षीय समीकरण का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग लंबे समय से उठती रही है। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में कुछ देशों के पास विशेष अधिकार हैं, जबकि विकासशील देशों की भागीदारी और प्रतिनिधित्व सीमित है। यदि महाशक्तियां वास्तव में वैश्विक संस्थाओं को अधिक लोकतांत्रिक बनाना चाहती हैं, तो उन्हें भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश और विकासशील राष्ट्रों को निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान देना होगा। अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और प्रभावशीलता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ऐसी व्यवस्था नहीं बननी चाहिए जिसमें नियम कमजोर देशों पर लागू हों और शक्तिशाली राष्ट्र अपनी सुविधानुसार उनका पालन करें। वैश्विक न्याय की विश्वसनीयता तभी कायम रह सकती है, जब सभी देश समान जवाबदेही स्वीकार करें।

भारत के लिए इस बदलते घटनाक्रम के दूरगामी मायने हैं। भारत की विदेश नीति का मूल आधार रणनीतिक स्वायत्तता रहा है। अमेरिका के साथ बढ़ते संबंध, रूस के साथ पारंपरिक सहयोग और चीन के साथ जटिल पड़ोसी संबंधों के बीच भारत को संतुलन बनाए रखना पड़ता है। यदि तीनों महाशक्तियां किसी साझा वैश्विक रणनीति के तहत आगे बढ़ती हैं, तो भारत के सामने नई कूटनीतिक चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

विशेष रूप से चीन के साथ सीमा विवाद और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी बढ़ती गतिविधियां भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी हैं। इसलिए भारत को किसी भी शक्ति समूह का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता मजबूत करनी होगी।

रूस के साथ भारत के पुराने रक्षा और ऊर्जा संबंध भी इस नए समीकरण में महत्वपूर्ण बने रहेंगे। वहीं अमेरिका के साथ तकनीक, व्यापार और रक्षा सहयोग भारत की आर्थिक तथा सामरिक आवश्यकताओं के लिए अहम है। चीन के साथ व्यापारिक संबंधों के बावजूद सीमा और सुरक्षा से जुड़े मतभेदों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

भारत को इन तीनों देशों के साथ संबंधों में स्पष्टता और व्यावहारिकता बनाए रखनी होगी। कूटनीति में स्थायी मित्र या शत्रु से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित होते हैं। यही सिद्धांत भारत की विदेश नीति को दिशा देता रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता भारत जैसे आयात निर्भर देश के लिए बड़ी राहत बन सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर पेट्रोल-डीजल, परिवहन, खाद्य वस्तुओं और महंगाई पर पड़ता है। यदि अमेरिका, चीन और रूस के बीच ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बेहतर तालमेल बनता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता की संभावना बढ़ सकती है। इसी तरह अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होने से वैश्वि क आपूर्ति श्रृंखला को लाभ मिल सकता है। हालांकि भारत को केवल संभावित राहत पर निर्भर रहने के बजाय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, घरेलू उत्पादन और व्यापारिक साझेदारियों का विस्तार भी करना होगा।

दरअसल, शेनझेन की बैठक को विश्व शांति का अंतिम समाधान मानना उचित नहीं होगा। इतिहास बताता है कि महाशक्तियों के बीच हुए समझौते कई बार छोटे देशों के हितों की कीमत पर भी आगे बढ़े हैं। यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व का संकट, परमाणु कार्यक्रम और हिंद–प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियां केवल घोषणाओं से समाप्त नहीं हो सकतीं। स्थायी शांति के लिए सभी देशों की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और समान भागीदारी का सम्मान आवश्यक है।

भारत को इस बदलती वैश्विक बिसात पर न तो अनावश्यक उत्साह दिखाना चाहिए और न ही किसी आशंका में अपनी कूटनीतिक स्वतंत्रता खोनी चाहिए। उसे अपनी आर्थिक ताकत, रक्षा क्षमता और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करते हुए वैश्विक मंचों पर विकासशील देशों की आवाज बुलंद करनी होगी। महाशक्तियों की दोस्ती और प्रतिस्पर्धा के बीच भारत का सबसे बड़ा हित एक स्वतंत्र, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में है।

शांति का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब दुनिया की व्यवस्था कुछ शक्तिशाली देशों की इच्छाओं से नहीं, बल्कि समानता, सहयोग और न्याय के सिद्धांतों से संचालित होगी।

विचार विंडो

बचपन को हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त करना जरूरी

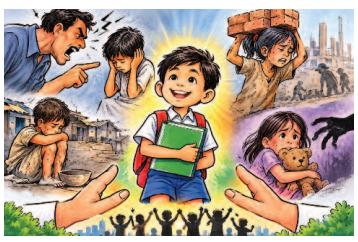
ललित गर्ग

बच्चे किसी भी राष्ट्र का भविष्य ही नहीं, उसकी संवेदनशीलता, संस्कार और विकास के वास्तविक प्रतिबिंब होते हैं। किसी देश की तरक्की का आकलन उसकी ऊंची इमारतों, आर्थिक उपलब्धियों और तकनीकी प्रगति से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि वहां का बचपन कितना सुरक्षित, शिक्षित और खुशहाल है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला विश्व बाल दिवस हमें इसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का एहसास कराता है। वर्ष 2026 की थीम 'मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य' बच्चों के अधिकारों और उनकी आकांक्षाओं को समझने का संदेश देती है। सवाल यह है कि क्या भारत का प्रत्येक बच्चा वास्तव में सम्मान, सुरक्षा और समान अवसरों के साथ अपना बचपन जी पा रहा है?

भारत में बचपन की तस्वीर आज भी विरोधाभासों से भरी हुई है। एक तरफ आधुनिक सुविधाओं और संसाधनों के बीच पलने वाले बच्चे हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे लाखों बच्चे हैं जिनके लिए शिक्षा, पोषण और सुरक्षित आवास भी एक सपना बने हुए हैं। किसी के हाथ में किताब और खिलौने हैं, तो किसी के हाथ में मजदूरी के औजार। फुटपाथों, झुग्गियों, ढाबों, कारखानों और खेतों में काम करते बच्चों की मौजूदगी बताती है कि विकास की दौड़ में बचपन आज भी पीछे छूट रहा है। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक संवेदनशीलता पर भी सवाल है।

बचपन के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में बाल हिंसा और मानसिक दबाव शामिल हैं। हिंसा का मतलब केवल शारीरिक प्रताड़ना नहीं है। बच्चों को लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, दूसरों से तुलना करना और उनकी इच्छाओं को महत्व न देना भी उनके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। आज अभिभावकों की अपेक्षाएं इतनी बढ़ गई हैं कि कई बार बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के बजाय माता–पिता के सपनों का बोझ उठाने लगते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनाने की महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन इसके लिए बच्चों पर अनावश्यक दबाव बनाना उचित नहीं है। विद्यालयों में भी अनुशासन के नाम पर भय और अपमान का वातावरण नहीं होना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास और विवेक विकसित करना है, न कि बच्चों को मानसिक दबाव में रखना।

बाल मजदूरी, बाल तस्करी, शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं भी हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। आर्थिक तंगी के कारण अनेक बच्चे



स्कूल छोड़कर काम करने को मजबूर हो जाते हैं। कुछ बच्चों को असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करना पड़ता है, जबकि कई मासूम तस्करी और शोषण के जाल में फंस जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि केवल कानून बना देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निगरानी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी आवश्यक है। किसी भी बच्चे से उसका बचपन छीनना उसके भविष्य और समाज की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाना है। गरीबी के साथ अवसरों की असमानता भी बच्चों के विकास में बड़ी बाधा है। गरीब परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे में उनसे समान प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा करना न्यायसंगत नहीं है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक पहुंचना चाहिए। सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, पोषण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने और बाल संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, श्रमिक परिवारों और वंचित समुदायों के बच्चों के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाने चाहिए।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल सरकार और प्रशासन का दायित्व नहीं है। परिवार, विद्यालय और समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। माता–पिता बच्चों से केवल पढ़ाई और परीक्षा की चर्चा न करें, बल्कि उनकी भावनाओं, रुचियों, मित्रता और समस्याओं को भी समझें। बच्चों को अपनी बात रखने और सवाल पूछने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। शिक्षकों को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहां गलती करने पर अपमानित करने के बजाय सीखने का अवसर मिले। पड़ोस या कार्यस्थल पर किसी बच्चे के शोषण अथवा बाल मजदूरी की जानकारी मिलने पर चुप रहना भी सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना है। बाल संरक्षण के प्रति जागरूकता को सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बनाना होगा।

बदलते समय में बच्चों के सामने डिजिटल दुनिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नई चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं। तकनीक शिक्षा और ज्ञान के विस्तार का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग बच्चों की मौलिक सोच, एकाग्रता और रचनात्मकता को प्रभावित कर सकता है। एआई से तैयार भ्रामक सामग्री, डीपफेक, साइबर बुलिंग और निजता से जुड़े खतरे भी चिंता का विषय हैं। इसलिए बच्चों को तकनीक से दूर रखने के बजाय उसका सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अभिभावकों और शिक्षकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना होगा। तकनीक बच्चों की प्रतिभा को निखारने का साधन बने, उनकी स्वतंत्र सोच का विकल्प नहीं। विश्व बाल दिवस केवल उत्सव मनाने या शुभकामनाएं देने का अवसर नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन का दिन है। हमें तय करना होगा कि देश का कोई भी बच्चा भूख, हिंसा, शोषण, अशिक्षा और भेदभाव के कारण अपने सपनों से वंचित न रहे। बच्चों को अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। उन पर अपनी इच्छाएं थोपने के बजाय उनकी क्षमताओं को पहचानना होगा। बचपन को सुरक्षित बनाना किसी एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि निरंतर सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। जिस दिन हर बच्चे के हाथ में औजार के बजाय किताब, मन में भय के बजाय आत्मविश्वास और जीवन में अभाव के बजाय अवसर होंगे, उसी दिन भारत के विकास का सपना वास्तविक अर्थों में साकार होगा।

हैरी ब्रूक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मचाया तूफान

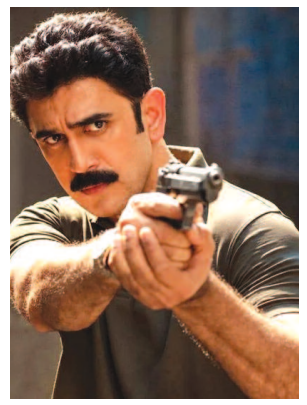
पहली ही गेंद पर आउट होकर फिल सॉल्ट ने बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

ब्रूक ने 20 गेंदों में जड़ा अर्धशतक और एक ओवर में बटोरे 24 रन



यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 21 नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला गया। इस मैच में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह पारी की पहली ही गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। इसके साथ ही वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पारी की पहली गेंद पर आउट होने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए। हालांकि, एक तरफ जहां सॉल्ट के लिए यह मुकाबला निराशाजनक रहा, वहीं कप्तान हैरी ब्रूक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा दीं। टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान टीम की ओर से जोएल डेविस ने गेंदबाजी की शुरुआत की। उन्होंने पारी की पहली गेंद फुल लेंथ पर डाली, जिस पर सॉल्ट ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मिड ऑफ पर खड़े मिचेल मार्श के हाथों में चली गई। इस तरह सॉल्ट बिना खाता खोले गोल्डन डक पर आउट हो गए। जून में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले जोएल डेविस ने इस विकेट के साथ खास उपलब्धि हासिल की। सॉल्ट के आउट होने के बाद इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ गईं। जैक एडवर्ड्स ने एन्यूरिन डोनाल्ड को 10 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। इससे इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 13 रन हो गया। इसके बाद कप्तान हैरी ब्रूक ने मोर्चा संभाला और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर दिया। उन्होंने राइली मेरेडिथ के एक ओवर में 24 रन बटोरकर मैच का रुख बदल दिया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का संयुक्त रूप से सबसे महंगा ओवर रहा। इससे पहले जोश हेजलवुड ने 2014 में होबार्ट में एक ओवर में 24 रन दिए थे। हैरी ब्रूक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में किसी इंग्लिश बल्लेबाज का सबसे तेज अर्धशतक है। उन्होंने जोस बटलर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। वहीं, एमसीजी में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक डेविड वॉर्नर के नाम है, जिन्होंने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 19 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

26 एनकाउंटर करने वाले पुलिस अधिकारी को एक वीडियो ने पहुंचाया जेल



अमित साध की फिल्म 'प्रताप' में मुंबई अंडरवर्ल्ड और पुलिस के टकराव की कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में अंडरवर्ल्ड का खौफ और पुलिस के साथ गैंगस्टरों की मुठभेड़ का दौर फिल्म 'प्रताप' में देखने को मिलता है। निर्देशक सचिन सराफ की यह फिल्म पुलिस अधिकारी प्रताप रानाडे की कहानी है, जिसका किरदार अमित साध ने निभाया है। प्रताप के नाम 26 गैंगस्टरों के एनकाउंटर दर्ज हैं। कभी पुलिस महकमे में अपनी पहचान रखने वाला यह अधिकारी एक वायरल वीडियो के कारण कानून के शिकंजे में आ जाता है और उसे जेल जाना पड़ता है। फिल्म दिखाती है कि व्यवस्था अपने फायदे के लिए पुलिस अधिकारी का इस्तेमाल करती है, लेकिन मुश्किल वक्त आने पर उससे दूरी बना लेती है। जेल के भीतर के घटनाक्रम कहानी को नए मोड़ देते हैं। ईशा देओल, तिग्मांशु धूलिया, सीमा बिस्वास और मिलिंद गुणाजी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं।
अमित साध ने प्रताप के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया है। कहानी में कई मोड़ दर्शकों की उत्सुकता बनाए रखते हैं, हालांकि कुछ हिस्सों में कसावट की कमी महसूस होती है। घटनाओं को अधिक विस्तार मिलता तो फिल्म का प्रभाव और बढ़ सकता था। कुल मिलाकर क्राइम, सस्पेंस और थ्रिलर पसंद करने वालों के लिए 'प्रताप' एक देखने लायक फिल्म है।

11 करोड़ का झटका, फिर भी नहीं बदला टीटू मामा का अंदाज



भुवन बाम की 'ढिंढोरा 2' में लौटा हंसी मजाक और पारिवारिक ड्रामा

पुराने किरदारों की भी एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीटू मामा एक बार फिर अपनी अतरंगी हरकतों और मजेदार अंदाज से दर्शकों को गुदगुदाने लौट आए हैं। यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम की चर्चित सीरीज 'ढिंढोरा' का दूसरा सीजन रिलीज हो गया है। इस बार टीटू मामा के सामने 11 करोड़ रुपये के नुकसान का पहाड़ खड़ा है। ऊपर से परिवार में रिश्तों की खटपट अलग!
ऐसे में जनाब नुकसान की भरपाई के साथ ससुराल वालों को मनाने की जुगत भिड़ाते नजर आएंगे।
नए सीजन में पुराने चहेते किरदार भी लौटे हैं। पारिवारिक नोकझोंक, मजेदार संवाद, हल्का-फुल्का हास्य और बॉलीवुड के तड़के से कहानी को मनोरंजक बनाने की कोशिश की गई है। भुवन बाम एक बार फिर अपने अलग-अलग किरदारों के जरिए हंसी का माहौल बनाते हैं। 'ढिंढोरा सीजन 2' का प्रीमियर 20 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ है।

काव्या मारन ने कर्मचारियों को दिया खास तोहफा



25 नवंबर को सन ग्रुप के कर्मचारियों के लिए लंच पार्टी

21 नवंबर को चेन्नई में होगा शादी का भव्य रिसेप्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन और संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर की शादी इन दिनों चर्चा में है। दोनों ने 11 नवंबर को ग्रीस में शादी की थी। अब शादी की खुशी में काव्या मारन ने अपने कर्मचारियों को खास तोहफा दिया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दावा किया जा रहा है कि सन ग्रुप के कर्मचारियों को चॉकलेट के साथ सोने की अंगूठियां भी दी गई हैं। गिफ्ट बॉक्स में एक निमंत्रण कार्ड भी शामिल है, जिसे देखकर कर्मचारी काफी खुश नजर आ रहे हैं।
निमंत्रण कार्ड के मुताबिक, कर्मचारियों के लिए 25 नवंबर को दोपहर एक बजे लंच पार्टी रखी गई है। इस तोहफे और पार्टी के निमंत्रण की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। लोग काव्या मारन के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं।
वहीं, 21 नवंबर को चेन्नई में काव्या और अनिरुद्ध का भव्य रिसेप्शन आयोजित किया जा रहा है। इसमें दक्षिण भारतीय सिनेमा, राजनीति और खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

1600 करोड़ के करीब पहुंची 'रामायण', 16वें दिन भी जारी रहा कमाई का सिलसिला



हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर फिल्म 'रामायण' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के 16 दिन पूरे होने के बाद भी फिल्म की कमाई का सिलसिला जारी है। हालांकि, तीसरे हफ्ते में फिल्म की रफ्तार कुछ धीमी जरूर पड़ी है, लेकिन दुनियाभर में इसका कारोबार 1600 करोड़ रुपये के बेहद करीब पहुंच गया है।
फिल्म ने रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को भारत में 16.30 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। यह गुरुवार की तुलना में करीब 15.8 प्रतिशत कम है।
इसके साथ ही लगातार पांचवें दिन फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई है।
सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 'रामायण' ने भारत में अब तक कुल 880.05 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 564.60 करोड़ और दूसरे सप्ताह में 299.15 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, इसका दुनियाभर का ग्रॉस कलेक्शन 1,574.60 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। इसमें विदेशों से हुई करीब 523 करोड़ रुपये की कमाई शामिल है।
16वें दिन फिल्म के हिंदी संस्करण ने सबसे ज्यादा 12 करोड़ रुपये कमाए। वहीं, मलयालम में 1.75 करोड़, तमिल में 1.10 करोड़, कन्नड़ में 1 करोड़ और तेलुगु संस्करण में 45 लाख रुपये का कारोबार हुआ। दुनियाभर में 1,574.60 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म अब 1600 करोड़ के आंकड़े से केवल 25.40 करोड़ रुपये दूर है। तीसरे वीकेंड में शनिवार और रविवार की छुट्टियों के चलते कमाई में उछाल आने की उम्मीद है। अब देखना होगा कि 'रामायण' वीकेंड पर 1600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर पाती है या नहीं।

उस्मान ख्वाजा और डेविड वॉर्नर कमेंट्री पैनल से बाहर

2018 के बॉल टैंपरिंग मामले पर ख्वाजा के नए खुलासों के बाद दोनों को अगले कुछ सप्ताह तक प्रसारण टीम से दूर रखने का फैसला किया



यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में साल 2018 का सैंडपेपर विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। केपटाउन टेस्ट में हुए बॉल टैंपरिंग मामले को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा के नए खुलासों ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इसका असर अब मैदान के बाहर भी दिखाई देने लगा है।
फॉक्स स्पोर्ट्स ने उस्मान ख्वाजा और डेविड वॉर्नर को अगले कुछ सप्ताह के लिए अपने कमेंट्री पैनल से बाहर कर दिया है। दोनों इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में कमेंट्री करने वाले थे, लेकिन विवाद बढ़ने के बाद चैनल ने उन्हें प्रसारण टीम से हटाने का फैसला किया है। दरअसल, उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा में दावा किया था कि साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी खिलाड़ियों को थी। उनके इस दावे के बाद क्रिकेट जगत में एक बार फिर सैंडपेपर विवाद पर बहस शुरू हो गई।
डेविड वॉर्नर ने भी ख्वाजा के दावों का समर्थन किया है। गौरतलब है कि उस समय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को इस मामले में जिम्मेदार ठहराया गया था। बैनक्रॉफ्ट पर ही गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने का आरोप साबित हुआ था। ख्वाजा के नए दावों के बाद मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कमिंस ने पहले इस घटना की जानकारी होने से इनकार किया था। इसके बाद उनके पुराने बयानों पर चर्चा तेज हो गई। अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले कमिंस के भविष्य को लेकर भी अटकलें लगाई जाने लगीं। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कमिंस से मुलाकात के बाद उनके समर्थन में एकजुटता दिखाई और कप्तान को पूरा सहयोग देने की बात कही।
फॉक्स स्पोर्ट्स के कमेंट्री पैनल से ख्वाजा और वॉर्नर को हटाने के फैसले के बाद अब उनकी वापसी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज शुरू हो चुकी है। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम दिसंबर और जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी।

अपनों का शव भी घर नहीं पहुंचा, रास्ते में काल बना एक्सप्रेस-वे

हादसे में भाई और रिश्तेदार समेत पांच लोगों की गई जान

यूनिक समय, बाराबंकी। अपनों का शव लेकर घर लौट रहे लोगों को रास्ते में ही मौत ने घेर लिया। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय एंबुलेंस में पश्चिम बंगाल निवासी अजीजुल हक का शव रखा हुआ था। उनके परिजन और रिश्तेदार जयपुर से शव लेकर पश्चिम बंगाल जा रहे थे। इसी दौरान एंबुलेंस सड़क किनारे खड़ी पिकअप में पीछे से जा घुसी।



हादसा एक्सप्रेस-वे पर 53वें किलोमीटर के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस का दरवाजा तोड़कर काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया। पुलिस ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

हादसे में पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के मुक्ति बालाभूत गांव निवासी अमीनुल हक (40) और उनके रिश्तेदार रूपिक (50) की मौत हो गई। इनके साथ जयपुर निवासी मकबूल खान (52) भी जान गंवा बैठे। इसके अलावा एंबुलेंस चालक हरिओम योगी (31), जो राजस्थान के अलवर के रहने वाले थे, और अजय (33), निवासी दौसा की भी मौत हो गई।

हैदरगढ़ कोतवाल अनिल कुमार पांडे के मुताबिक, शुरुआती जांच में चालक को झपकी आने की बात सामने आई है। आशंका है कि इसी वजह से एंबुलेंस सड़क किनारे खड़ी पिकअप से टकरा गई। पुलिस ने मृतकों के पास मिले पहचान पत्रों के आधार पर उनके परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों के पहुंचने के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर कुछ समय तक अफरा-तफरी का माहौल रहा।

जयपुर से पश्चिम बंगाल जा रहे थे सभी

सड़क किनारे खड़ी पिकअप में पीछे से घुसी एंबुलेंस

जमीन में निवेश के नाम पर विधायक के ससुर-साले से 43.33 लाख की ठगी

यूनिक समय, आगरा। जमीन के कारोबार में निवेश कर रकम दोगुनी करने का लालच देकर खेरागढ़ विधायक भगवान सिंह कुशवाह के ससुर और साले से 43.33 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने टालमटोल की और धमकियां दीं। जनवरी 2025 से पुलिस में शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर अब पुलिस आयुक्त ने जांच के निर्देश दिए हैं।

सदर के सेवला जाट स्थित अशोका स्टेट निवासी अनिल कुशवाह जिला अस्पताल में नौकरी करते हैं। उनके पिता लाल सिंह सेवानिवृत्त राज्यकर्मी हैं। अनिल के मुताबिक, आवास विकास सेक्टर-12 निवासी महेश कुमार ने जमीन के कारोबार में निवेश कर रकम दोगुनी करने का भरोसा दिया था। इसके झांसे में आकर पिता-पुत्र ने 2018 से 2020 के बीच कुल 43.33 लाख रुपये जमा किए।

पीड़ित के अनुसार, तय समय पूरा होने के बाद महेश कुमार ने रकम लौटाने में आनाकानी शुरू कर दी। इस मामले में महेश की पत्नी ऊषा जाटव, बेटे विनय और विनीत समेत अन्य परिजनों की भूमिका भी बताई गई है। अनिल ने जनवरी 2025 में पुलिस से शिकायत की थी। शुक्रवार को पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने एसीपी सदर को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आगरा में रकम दोगुनी करने का दिया झांसा

पैसे वापस मांगने पर मिली धमकी

पुलिस आयुक्त ने एसीपी सदर को सौंपी जांच

मकान के लिए पिता का कत्ल बेटे को उम्रकैद की सजा

यूनिक समय, आगरा। मकान बेचने से इनकार करना एक पिता को भारी पड़ गया। बेटे ने संपत्ति को लेकर हुए विवाद में अपने ही पिता की हत्या कर दी थी। करीब चार साल पुराने इस मामले में अदालत ने आरोपी बेटे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे-26 अमरजीत की अदालत ने सौरव उर्फ गौरव को दोषी ठहराते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

मामला 31 मार्च 2022 का है। ताजगंज थाना क्षेत्र के आनंदीपुरम, कहरई निवासी मुकेश बाबू की हत्या कर दी गई थी। घटना के अगले दिन सुबह करीब छह बजे छोटे बेटे सौरव ने अपनी बहन प्रिया को फोन कर पिता की हत्या करने की जानकारी दी। इसके बाद बेटा अमित कुमार बहन के साथ घर पहुंचा तो बरामदे में पिता का शव पड़ा मिला। सौरव और उसका भाई मोनू घर से गायब थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि सौरव पिता पर मकान बेचने का दबाव बना रहा था। पिता के इनकार करने पर उसने डंडे और ईंट से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। अमित की शिकायत पर दोनों भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। हालांकि, जांच में मोनू के घटना के समय करौली की पदयात्रा में होने के साक्ष्य मिले। पुलिस ने सौरव को एक अप्रैल 2022 को गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आठ गवाह पेश किए। मृतक की बेटी प्रिया, बेटे अमित और अन्य गवाहों के बयान के साथ पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को भी आधार बनाया गया। साक्ष्यों और दलीलों पर विचार करने के बाद अदालत ने सौरव को दोषी मानते हुए उम्रकैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

आगरा में पिता की हत्या के मामले में अदालत का फैसला

दोषी बेटे पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

यूपी में बदलेगा मौसम, पूर्वांचल के 13 जिलों में बारिश का अलर्ट



यूनिक समय, लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'अकवान' के असर से उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। पूर्वांचल के 13 जिलों में शनिवार को गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। सोनभद्र और चंदौली में भारी बारिश की आशंका है।

मौसम विभाग के मुताबिक 21 और 22 नवंबर को पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में 3 से 5 डिग्री तक गिरावट आने और ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं। कई इलाकों में तेज हवाएं भी चलेंगी।

दूसरी ओर पश्चिमी यूपी के पीलीभीत, संभल, मुजफ्फरनगर और बुलंदशहर समेत कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कुछ जगह दृश्यता 10 मीटर तक सिमट गई। मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम में बदलाव को देखते हुए किसानों को गेहूं, सरसों और आलू की फसलों में जलभराव से बचाव तथा रोगों की नियमित निगरानी करने की सलाह दी गई है।

30-40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, पूर्वांचल में बारिश, तापमान गिरेगा

पश्चिमी यूपी में कोहरे का असर, तापमान 10 डिग्री तक पहुंचा

सरकारी राशन की कालाबाजारी में चार पर एफआईआर, 18.54 टन चावल जब्त

यूनिक समय, अलीगढ़। गरीबों के हिस्से के सरकारी राशन की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। खाद्य विभाग ने खैर रोड स्थित गोदाम पर छापा मारकर 18.54 टन चावल बरामद किया। जांच में चावल सरकारी राशन योजना का पाया गया। मामले में चार लोगों के खिलाफ देहली गेट थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

जांच के अनुसार, राशन कार्डधारकों से फेरीवालों और छोटे कारोबारियों के जरिए सस्ता चावल खरीदा जाता था। इसे गोदाम और गभाना स्थित राइस मिल में जमा कर एनसीआर में महंगे दामों पर बेचने का आरोप है। 13 नवंबर को शिकायत पर खाद्य विभाग ने गोदाम में छापा मारा था। शुरुआती जानकारी में 250 कट्टे बताए गए, जबकि दोबारा जांच में 314 कट्टे मिले। चावल का स्रोत भी संचालक नहीं बता सका। जिला पूर्ति अधिकारी के निर्देश पर रजत चौहान, भोला ठाकुर, शरफराज और गगन के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलीगढ़ में खाद्य विभाग की जांच में खुलासा

मां को अंतिम विदाई देते भावुक हुए योगी, भाई संग दी मुखाग्नि

यूनिक समय, लखनऊ/हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। हरिद्वार के चंडी घाट पर पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने अपने सबसे छोटे भाई महेंद्र मोहन बिष्ट के साथ मां की अंतिम यात्रा में हिस्सा लिया। मां की अर्थी को कंधा देने से लेकर अंतिम संस्कार की रस्मों तक योगी हर पल परिवार के साथ खड़े रहे। पैतृक गांव पंचूर से मां के पार्थिव शरीर के साथ हरिद्वार पहुंचे योगी ने चंडी घाट पर खुद चिता सजाई। उन्होंने चिता पर लकड़ियां और चंदन रखा।

इसके बाद मां की चिता की परिक्रमा कर उनके पैरों के पास सिर झुकाया और अंतिम प्रणाम किया। अंतिम विदाई के दौरान योगी की आंखें नम हो गईं। वह बार-बार रुमाल से आंसू पोंछते दिखाई दिए।



सावित्री देवी के अंतिम संस्कार में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री संजय निषाद सहित कई गणमान्य लोग पहुंचे। 13 अखाड़ों के आचार्य और महंतों ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया। बाबा रामदेव और परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष चिदानंद मुनि भी मौजूद रहे। अंतिम संस्कार के बाद योगी गंगा स्नान के लिए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां के अंतिम संस्कार की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'अंतिम प्रणाम मां...' साथ ही महाभारत के श्लोक के जरिए मां के महत्व को बताया। श्लोक का भाव है कि मां के समान कोई छाया, आश्रय, प्रेम, सुरक्षा और जीवनदाता नहीं है।

बता दें कि सावित्री देवी ने शुक्रवार सुबह 10:45 बजे पैतृक आवास पर अंतिम सांस ली थी। वह 91 वर्ष की थीं। मां के निधन की सूचना मिलने के बाद योगी गोरखपुर पहुंचे थे। उन्होंने रात मां के पार्थिव शरीर के पास बिताई और शनिवार को अंतिम संस्कार में शामिल हुए। शाम को उन्हें लखनऊ लौटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में भी हिस्सा लेना था।

हरिद्वार के चंडी घाट पर हुआ सावित्री देवी का अंतिम संस्कार

मां के पैर छूकर किया अंतिम प्रणाम, सोशल मीडिया पर लिखा- अंतिम प्रणाम मां..

50 से अधिक वीआईपी अंतिम संस्कार में पहुंचे

गंगा महोत्सव में भजनों की धुन पर झूमे युवा, राघव-प्राची ने बांधा समां



यूनिक समय, वाराणसी। धर्मनगरी काशी में शुक्रवार रात गंगा महोत्सव का आगाज भक्ति और संगीत के अनूठे संगम के साथ हुआ। नमो घाट पर आयोजित महोत्सव की पहली शाम कोलकाता के राघव और प्राची अग्रवाल के नाम रही। दोनों की सुरमयी प्रस्तुति ने युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में करीब 1000 युवा शामिल हुए।

शाम सात बजे राघव और प्राची ने अपने पिता गोपी अग्रवाल के साथ मंच संभाला। **'काशी भजन क्लबिंग : एक संध्या सुरों और बीट्स के नाम'** कार्यक्रम में दोनों ने करीब डेढ़ घंटे तक प्रस्तुति दी। इस दौरान लगभग 15 भजन सुनाए। राम और शिव के भजनों की धुन से नमो घाट का माहौल भक्तिमय हो गया। खासकर शिव तांडव की प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

नवंबर की ठंडी रात और आसमान से गिरती ओस के बीच संगीत का जादू युवाओं के सिर चढ़कर बोला। राघव-प्राची की जुगलबंदी पर दर्शक लगातार झूमते रहे। कार्यक्रम में महापौर भी मौजूद रहे और प्रस्तुति का आनंद लेते नजर आए।

गंगा महोत्सव की पहली शाम ने भक्ति संगीत को आधुनिक अंदाज में पेश कर दर्शकों के बीच खास आकर्षण पैदा किया।

नमो घाट पर राम और शिव के भजनों की गूंज

कोलकाता के भाई-बहन की जुगलबंदी देखने पहुंचे करीब 1000 युवा

रिश्वत लेते पकड़ा गया कर अधीक्षक निकला करोड़पति

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के पंचकूला में केंद्रीय जांच ब्यूरो की कार्रवाई के दौरान भ्रष्टाचार का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किए गए केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग के एक अधीक्षक के घर से करीब 1.86 करोड़ रुपये की नकदी और कीमती सामान बरामद हुआ है। तलाशी में भारतीय करेंसी, विदेशी मुद्रा, सोने के आभूषण, सोने की ईंटें और चांदी मिली हैं। इतनी बड़ी बरामदगी के बाद जांच एजेंसी ने अधिकारी की संपत्ति और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल तेज कर दी है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो के अनुसार, आरोपी अधिकारी पर एक निजी कंपनी के वस्तु एवं सेवा कर मामले में अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद एजेंसी ने 19 नवंबर 2026 को पंचकूला में जाल बिछाया। इसी दौरान अधिकारी को 10 लाख रुपये की



रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के अगले दिन यानी 20 नवंबर को उसके आवास पर तलाशी अभियान चलाया गया।

जांच एजेंसी की तलाशी में 24.29 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा और लगभग 15.65 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। इसके अलावा करीब 1.46 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण, सोने की ईंटें और चांदी भी मिली। एजेंसी ने बरामद नकदी और कीमती सामान का कुल मूल्य लगभग 1.86 करोड़ रुपये आंका है। रिश्वत के महज 10 लाख रुपये के मामले की जांच में इतनी बड़ी संपत्ति सामने आने से अधिकारी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

तलाशी के दौरान जांच एजेंसी को आरोपी के छह बैंक खातों, निवेश और जीवन बीमा पॉलिसियों से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा कई अचल संपत्तियों और एक वाहन से जुड़े कागजात भी बरामद किए गए हैं। आरोपी के साथ उसके परिवार के सदस्यों के वित्तीय लेन-देन की जानकारी भी एजेंसी के हाथ लगी है।

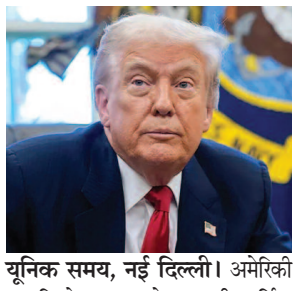
केंद्रीय जांच ब्यूरो अब इन सभी दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच का उद्देश्य अधिकारी की आय, संपत्ति, निवेश और पैसों के लेन-देन का पूरा ब्योरा जुटाना है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बरामद संपत्ति के स्रोत क्या हैं और कहीं आय से अधिक संपत्ति का मामला तो नहीं है।

घर से मिला 1.86 करोड़ का खजाना

घर में मिली नकदी विदेशी मुद्रा और सोने की ईंटें

छह बैंक खातों और संपत्तियों के दस्तावेज भी मिले

ट्रम्प बोले- भारत की कम ब्याज दर से 7% विकास दर



यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की आर्थिक विकास दर का उदाहरण देकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत में ब्याज दरें कम होने के कारण अर्थव्यवस्था करीब 7% की रफ्तार से आगे बढ़ रही है। यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें कम कर दी जाएं तो वहां की आर्थिक विकास दर 15 से 20% तक पहुंच सकती है।

शुक्रवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जब अमेरिका के आर्थिक आंकड़े अच्छे आते हैं, तब भी फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ा देता है। उनके मुताबिक, यह सही नीति नहीं है। अच्छी आर्थिक स्थिति में दरें कम होनी चाहिए, ताकि कारोबार और निवेश को बढ़ावा मिले।

ट्रम्प ने भारत की तेज आर्थिक वृद्धि को कम ब्याज दरों से जोड़ते हुए अमेरिका में भी ऐसी नीति अपनाने की वकालत की। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.6% की दर से बढ़ी। घरेलू मांग, बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च और सेवा क्षेत्र को इसकी प्रमुख वजह माना गया है।

अमेरिका में महंगाई दर अभी भी केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। ऐसे में फेडरल रिजर्व महंगाई नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों का इस्तेमाल कर रहा है। दरें बढ़ने से कर्ज महंगा होता है और बाजार में मांग कम करने में मदद मिलती है।

ट्रम्प लंबे समय से फेडरल रिजर्व की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। उनका मानना है कि कम ब्याज दरों से कंपनियों को सस्ता कर्ज मिलेगा और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

अमेरिका में भी दरें घटाए तो 20% तक पहुंचेगी वृद्धि

भारत की 7.6% विकास दर का दिया उदाहरण

दिल्ली से कश्मीर तक नशीली दवाओं का जाल, चार तस्कर गिरफ्तार



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक फैले नशीली दवाओं के अंतरराज्यीय नेटवर्क का नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने भंडाफोड़ किया है। जम्मू और दिल्ली की टीमों ने संयुक्त कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान जम्मू-कश्मीर जा रही यात्री बस से करीब सात किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद हुआ। इसके बाद जांच की कड़ियां दिल्ली तक पहुंचीं, जहां शाहदरा में किराए के मकान में चल रहे अवैध गोदाम का खुलासा हुआ।

गोदाम से पांच लाख से अधिक दवाएं बरामद

18 और 19 नवंबर को गोदाम पर छापेमारी में पांच लाख से अधिक नशीली गोलियां, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें जब्त की गईं। इनमें ट्रामाडोल, अल्प्राजोलम, नाइट्राजेपम और कोडीन युक्त दवाएं शामिल हैं। दिल्ली में एक अन्य कार्रवाई में 356 बोतल कफ सिरप भी बरामद किया गया।

एनसीबी ने 16 नवंबर को उधमपुर के चेन्नानी टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही बस से पहली बरामदगी की थी। इसके बाद अनंतनाग निवासी मुख्य खरीदार को भी गिरफ्तार किया गया। एजेंसी अब दवाओं के मूल स्रोत, बड़े आपूर्तिकर्ताओं और आर्थिक लेन-देन की जांच कर रही है।

मुंबई एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट के खिलाफ यात्रियों का हंगामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के घरेलू हवाई अड्डे पर शनिवार को स्पाइसजेट के यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। एयरलाइन का टिकट काउंटर बंद होने और कर्मचारियों के नदारद रहने से परेशान यात्रियों ने जमकर विरोध जताया। नाराज यात्रियों ने काउंटर पर 'धोखेबाज' लिखे पोस्टर लगाकर अपना आक्रोश जाहिर किया। यात्री उड़ानों की जानकारी और सहायता के लिए भटकते रहे, लेकिन उन्हें मदद नहीं मिल सकी।

लगातार उड़ानों के रद्द होने, देरी और परिचालन संबंधी खामियों को लेकर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एयरलाइन से सात दिन में जवाब मांगा गया है। नियामक ने यात्रियों की शिकायतों और असुविधाओं को कम करने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए हैं।

स्पाइसजेट की वित्तीय स्थिति भी लगातार बिगड़ रही है। विमानों का खड़ा होना, बकाया भुगतान और कर्मचारियों के वेतन में देरी जैसी समस्याएं सामने आई हैं। अक्टूबर में घरेलू विमानन बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी घटकर 0.6 प्रतिशत रह गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए 5,500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

उड़ानों में देरी और रद्द होने पर डीजीसीए सख्त

आर्थिक संकट से जूझ रही विमानन कंपनी

बिहार में मोदी ने किया 9.76 किमी लंबे 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन



यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल का उद्घाटन किया। 9.76 किलोमीटर लंबे इस पुल का नाम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने राज्य के 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं पर 34,470 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इनमें सड़क, पुल, उद्योग, शिक्षा, ऊर्जा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

गंगा पर बने इस छह लेन पुल से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन आसान होगा। इससे यात्रियों का समय बचेगा और वैशाली सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापार तथा औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने 1243 एकड़ में प्रस्तावित औद्योगिक गलियारे की आधारशिला भी रखी। इससे क्षेत्र में उद्योगों और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है। हालांकि, पुल का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखने को लेकर राजनीतिक विवाद भी सामने आया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मांग की है कि इसका नाम शहीद अक्षयवट राय के नाम पर रखा जाना चाहिए।

34,470 करोड़ की योजनाओं की सौगात

उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आसान होगा सफर

1243 एकड़ में बनेगा औद्योगिक गलियारा

आईआईटी खड़गपुर के 75 वर्ष पूरे होने पर बोले प्रधानमंत्री

50 साल पहले विरोध, आज देश में 12 सेमीकंडक्टर संयंत्र: मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के आईआईटी खड़गपुर के स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तकनीकी प्रगति और नवाचार पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, लेकिन उस समय उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। तब सवाल उठाए गए कि जब दूसरे देश यह काम कर रहे हैं तो भारत को इसकी क्या जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इन सवालों की परवाह नहीं की। जब उन्हें अवसर मिला तो अधिकारियों के साथ बैठकर खुद फाइलें तैयार करवाईं और सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में पहल की। आज देश में इस क्षेत्र में 12 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इनमें माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन, सीजी सेमी, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया और



सुचि सेमीकॉन जैसी कंपनियों में उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जयंती समारोह में प्रधानमंत्री ने करीब 23 मिनट तक संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के योगदान, तकनीकी विकास और देश के भविष्य पर चर्चा की। उन्होंने 75 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का भी जारी किया।

मोदी ने कहा कि आईआईटी खड़गपुर ने देश को बैलगाड़ी से बुलेट ट्रेन और डाकपत्रों से सामाजिक माध्यमों तक का सफर तय करते देखा है। यह संस्थान उस स्थान पर बना है, जहां कभी स्वतंत्रता सेनानियों को नजरबंद रखा जाता था। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनकी हर सफलता देश के काम आनी चाहिए और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले अंतरिक्ष क्षेत्र में केवल भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का वर्चस्व था और युवाओं के लिए अवसर सीमित थे। उनकी सरकार ने इस क्षेत्र को निजी कंपनियों और युवाओं के लिए खोला। आज कई निजी अंतरिक्ष कंपनियां आगे बढ़ रही हैं। आईआईटी खड़गपुर से जुड़े छात्रों की कंपनी स्काईरूट ने भी अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों से घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। देश का मूल मंत्र राष्ट्र प्रथम होना चाहिए।

अधिकारियों के साथ बैठकर खुद तैयार करवाई फाइलें

तीन शहरों में मेटा कार्यालयों पर यूथ कांग्रेस का हंगामा, चार पर मुकदमा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के कार्यालयों के बाहर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर घुस गए और तोड़फोड़ की। मुंबई में भवन के शीशे पर नारे लिखे गए, जबकि गुरुग्राम में कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया गया। मुंबई पुलिस ने चार नामजद नेताओं समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

यूथ कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर मेटा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम खाते बंद कर दिए थे। इसी के विरोध में 20 नवंबर को प्रदर्शन किया गया। संगठन का दावा है कि प्रदर्शन के 15 मिनट बाद दोनों खाते बहाल कर दिए गए।

यूथ कांग्रेस ने मेटा को सात दिन में प्रतिबंध हटाने का अल्टीमेटम दिया है। उधर, भाजपा ने प्रदर्शन को गुंडागर्दी बताया है। बीआरएस नेता केटी रामाराव ने भी घटना की आलोचना करते हुए कहा कि इससे हैदराबाद की कारोबारी छवि को नुकसान पहुंचा है।

सोशल मीडिया खाते बंद होने पर भड़का गुस्सा

हालात से हारी नहीं ललिता, रोडवेज में कंडक्टर बन संभाला परिवार

मुश्किल में नहीं मानी हार, बच्चों की परवरिश के साथ संभाली नौकरी की जिम्मेदारी

महिलाओं को दिया संदेश, पहले शिक्षा और फिर रोजगार को बनाएं प्राथमिकता

यूनिक समय, मथुरा। जिंदगी में आने वाली मुश्किलें कई बार इंसान को कमजोर करने के बजाय मजबूत बना देती हैं। परिवार की



ललिता चौधरी।

जिम्मेदारी अचानक कंधों पर आ जाए तो चुनौतियां और बढ़ जाती हैं, लेकिन आत्मविश्वास के दम पर हर मुश्किल का सामना किया जा सकता है। इसकी मिसाल हैं ललिता चौधरी, जिन्होंने पति के साथ हुई दुर्घटना के बाद परिवार की जिम्मेदारी संभालने के लिए न केवल खुद को मजबूत बनाया, बल्कि रोडवेज में बस कंडक्टर की नौकरी कर आत्मनिर्भरता की राह भी चुनी।

ललिता चौधरी ने 12वीं तक पढ़ाई की है। वर्ष 2013 में उनके पति के साथ दुर्घटना हो गई। इसके बाद परिवार और तीन बच्चों की जिम्मेदारी उनके सामने आ गई। ऐसे कठिन समय में उनके भाई ने रोडवेज में नौकरी दिलाने में मदद की। हालांकि, नौकरी शुरू करने का फैसला आसान नहीं था। परिवार के कुछ लोगों ने उन्हें इस काम से रोकने का प्रयास किया। उनका तर्क था कि बसों में सफर के दौरान तरह-तरह के यात्रियों से सामना होता है और कई बार लोगों का व्यवहार भी ठीक नहीं रहता। इसके बावजूद ललिता ने किसी की बातों से हिम्मत नहीं हारी और नौकरी करने का फैसला लिया।

शिक्षा और रोजगार से ही मजबूत होगा महिलाओं का भविष्य

ललिता का कहना है कि रोडवेज की नौकरी ने उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया है। आज वह अपनी मेहनत की कमाई से बच्चों की परवरिश कर रही हैं और परिवार की जरूरतें पूरी कर रही हैं। अन्य महिलाओं और युवतियों को संदेश देते हुए वह कहती हैं कि पढ़ाई और रोजगार को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्यार-मोहब्बत के चक्कर में पड़कर अपने भविष्य और शिक्षा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। पहले खुद को शिक्षित बनाएं और फिर अपने पैरों पर खड़े होने का प्रयास करें। उनका मानना है कि महिला आत्मनिर्भर होगी तो न केवल खुद मुश्किलों का सामना कर सकेगी, बल्कि पूरे परिवार को मजबूती भी दे पाएगी।

ललिता के तीन बच्चे हैं। उनकी बेटी दसवीं, एक बेटा 11वीं और सबसे छोटा बेटा चौथी कक्षा में पढ़ता है। ड्यूटी के चलते उन्हें अक्सर घर से बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में बच्चे घर पर रहकर अपनी पढ़ाई और दिनचर्या खुद संभालते हैं। ललिता के लिए नौकरी के साथ बच्चों की देखभाल और परिवार की जरूरतें पूरी करना आसान नहीं रहा, लेकिन उन्होंने दोनों जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखा। यात्रियों के बीच रोजाना काम करना और अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया है।

रागी जत्थों ने मधुर गुरुवाणी से संगत को किया निहाल

गुरु मुलखराज बेरीपुरी की 50वीं पुण्यतिथि पर कीर्तन समागम संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर स्थित कुटिया में ब्रह्मलीन संत गुरु मुलखराज बेरीपुरी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि पर आयोजित विशाल कीर्तन समागम का शनिवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ समापन हुआ। समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर गुरु महाराज को नमन किया।



गुरु मुलखराज बेरीपुरी की पुण्यतिथि पर आयोजित कीर्तन समागम में शब्द-कीर्तन करते रागी जत्थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के साथ हुआ। बाहर से आए प्रसिद्ध रागी जत्थों ने मधुर स्वर में शब्द-कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा बंगला साहिब, दिल्ली के हजूरी रागी भाई गुरमेल सिंह और गुरुद्वारा गुरु का ताल, आगरा के हजूरी रागी भाई महिंदर पाल सिंह ने गुरुवाणी का गुणगान किया।

समाजसेवी रानी आहूजा ने संत मुलखराज बेरीपुरी महाराज के जीवन, शिक्षाओं और मानवता की सेवा में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कुटिया प्रबंधन समिति की ओर से बाहर से आए रागी जत्थों को सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया। आयोजन में समिति के लाडो आहूजा, जगदीश आहूजा, विष्णु आहूजा, रघुवीर सिंह औबराय और जितेंद्र सिंह का योगदान रहा। इस मौके पर सीएम बजाज, प्रदीप अरोड़ा, परमजीत सिंह, गुरबचन सिंह, बलविंदर सिंह, गोपाल दास,अनिल शर्मा,प्रीतम सिंह, जसनूर सिंह और परमीत सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

वृंदावन में दिसंबर से शुरू होगा सखी निवास, एकल महिलाओं को मिलेगा सुरक्षित आवास

यूनिक समय, मथुरा। कामकाजी और अन्य एकल महिलाओं को सुरक्षित-सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने के लिए वृंदावन के चैतन्य विहार में दिसंबर से सखी निवास (वर्किंग वूमेन हॉस्टल) का संचालन शुरू होगा। भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित मिशन शक्ति की उपयोजना 'सामर्थ्य' के तहत यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र ने बताया कि सखी निवास में ऐसी एकल महिलाओं को रहने की सुविधा मिलेगी, जिन्हें नौकरी, व्यवसाय या अन्य व्यक्तिगत कारणों से सुरक्षित आवास की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनने और अपने कार्यों और दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने में सहयोग देना है। उन्होंने बताया कि मथुरा और आसपास के क्षेत्रों की इच्छुक एकल महिलाएं आवासीय सुविधा के लिए अपना आवेदन जिला प्रोबेशन कार्यालय, कमरा संख्या-43 कलेक्ट्रेट में जमा करा सकती हैं।

ब्रज चौरासी कोस यात्रा में श्रद्धालुओं ने किए लीला स्थलों के दर्शन



ब्रज यात्रा के दौरान गौ सेवा करतीं बृज सेवा फाउंडेशन की सदस्याएं।

यूनिक समय, मथुरा। बृज सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क ब्रज चौरासी कोस यात्रा भक्ति और उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। यात्रा के चौथे, पांचवें और छठे दिन श्रद्धालुओं ने ब्रज के प्रमुख धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों के दर्शन किए।

चौथे दिन बरसाना स्थित श्रीजी मंदिर, नंदगांव, प्रेम सरोवर और अष्टसखी स्थलों पर दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने राधारानी के दर्शन कर मंगल कामना की और श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का स्मरण किया। पांचवें और छठे दिन भी ब्रज के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए गए।

22 नवंबर को दीप महोत्सव के साथ होगा सात दिवसीय यात्रा का समापन

फाउंडेशन की ओर से यात्रियों के लिए भोजन, प्रसादी, आवास और परिवहन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। यात्रा का समापन 22 नवंबर को शाम सात बजे वृंदावन स्थित श्री नाभा पीठ, सुदामा कुटी, गोदा विहार में ब्रज आनंद एवं दीप महोत्सव के साथ होगा। समारोह स्वामी सुतिक्ष्ण दास देवाचार्य के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा।

देवोत्थान एकादशी पर 1100 तुलसी के पौधों का निःशुल्क वितरण



गोस्वामी इंदुभूषण रामायणी सेवा संस्थान के कार्यक्रम में तुलसी पौधे बांटते अतिथि।

यूनिक समय, वृंदावन। देवोत्थान एकादशी और तुलसी-शालिग्राम विवाह पर गोस्वामी इंदुभूषण रामायणी सेवा संस्थान की ओर से परिक्रमार्थियों को 1100 तुलसी के पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को फलाहार भी वितरित किया गया।

शुभारंभ श्रीमज्जगद्गुरु द्वाराचार्य नाभा पीठ सुदामा कुटी के महंत सुतीक्षण देवाचार्य और रासमंडल के महंत लाड़लीशरण ने श्रद्धालुओं को तुलसी के पौधे भेंटकर किया। हरिमोहन पाठक रामायणी ने कहा कि वृंदावन का नाम वृंदा यानी तुलसी के नाम पर पड़ा है, लेकिन यहां तुलसी के पौधों की उपलब्धता लगातार कम होती जा रही है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य घर-घर तुलसी का पौधा पहुंचाना, नियमित पूजन के

तुलसी-शालिग्राम विवाह पर परिक्रमार्थियों को कराया फलाहार

घर-घर पूजन और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

लिए प्रेरित करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस मौके पर विधायक श्रीकांत शर्मा, मुख्य अभियंता राजीव गर्ग, पार्षद वैभव अग्रवाल, मोहन शर्मा, श्रीगोपाल वशिष्ठ, हिर्देश गुप्ता, मनोज मोहन शास्त्री, उपखंड अधिकारी राहुल चौरसिया, योगेंद्र राघव, प्रशांत खत्री, पार्षद सुमित गौतम, निकुंज अग्रवाल, प्रियाबल्लभ वशिष्ठ, विपिन वेदपाठी, गोविंद खंडेलवाल, इंद्रजीत रावत, विश्वनाथ गौतम, विवेक अग्रवाल, रसिकबल्लभ नागार्च और रत्नेश सारस्वत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में विनोद कुमार स्कूल के खिलाड़ियों का दबदबा



विजेता खिलाड़ियों के साथ खुशी मनाते शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध भारतीय शिक्षा समिति, ब्रज प्रदेश की प्रांतीय शिशु वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता-2026 में विनोद कुमार कोयला वाले सरस्वती विद्या मंदिर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पर्धाओं में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता का समापन सीवी गुप्ता सरस्वती विद्यापीठ, सिंघारपुर में हुआ।

अंडर-11 बालक वर्ग में मोहित ने 200 मीटर दौड़ और ऊंची कूद, भानु ने 400 मीटर दौड़ और लंबी कूद और अर्जुन ने गोला फेंक और चक्का फेंक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-11 बालिका वर्ग में कनक ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि परी ने 200 मीटर दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद में बाजी मारी। अंडर-13 बालिका वर्ग में साक्षी ने गोला फेंक और चक्का फेंक में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पदक-प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रचारक-केशवधाम छात्रावास प्रमुख मनवीर सिंह, प्रदेश निरीक्षक यशवीर सिंह और कार्यक्रम पर्यवेक्षक शिवेंद्र गौतम उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य योगेश कुमार ने अतिथियों का परिचय कराया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी अब विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंध समिति ने बधाई देते हुए अध्यापिका सोनिया के प्रयासों की भी सराहना की।

लायंस क्लब ने जरूरतमंद छात्राओं को बांटीं निःशुल्क साइकिलें



छात्राओं को साइकिल देतीं लायंस क्लब की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। लायंस क्लब मथुरा की ओर से सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल में गरीब एवं जरूरतमंद बालिकाओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गईं। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

क्लब पदाधिकारियों और विद्यालय स्टाफ की मौजूदगी में साइकिलों का वितरण किया गया।

इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और स्कूल आने-जाने में होने वाली परेशानी कम करना है। साइकिल मिलने से छात्राओं

जयपुरिया स्कूल में पहल, साइकिल पाकर खिले बालिकाओं के चेहरे

को आवागमन में सुविधा मिलेगी और वे नियमित रूप से पढ़ाई जारी रख सकेंगी।

वक्ताओं ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और जरूरतमंद बच्चों की मदद करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालय परिवार ने लायंस क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए आभार जताया।